E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्षः 01 | अंकः 30 | पृष्ठः 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, गुरुवार 13 अगस्त, 2026 | मूल्यः ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

कैबिनेट सचिव से लेकर ईडी के डायरेक्टर तक- 6 बड़े अधिकारियों का बढ़ा कार्यकाल, मिला एक साल का एक्सटेंशन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। देश के छह महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त अधिकारियों का कार्यकाल बढ़ दिया है। ये सभी पद ऐसे है, जिनका कार्यकाल फिक्स रहता है। लेकिन सरकार ने यह फैसला लेकर संकेत दिया है कि वह प्रमुख मंत्रालयों और जांच एजेंसियों के नेतृत्व को किसी भी हाल में अचानक बदलना नहीं चाहती है। केंद्र की मोदी सरकार ने जिन 6 अधिकारियों का कार्यकाल बढ़ाया है, उसमें कैबिनेट सचिव, केंद्रीय गृह सचिव, केंद्रीय विदेश सचिव, सीबीआई डायरेक्टर, ईडी निदेशक और रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष का पद शामिल है।

देश के सर्वोच्च प्रशासनिक पद कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथ का कार्यकाल बढ़ा दिया है, अब वह 2027 तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। उनका कार्यकाल अगस्त में ही समाप्त हो गया था। देश की आंतरिक सुरक्षा की कमान यानी गृह सचिव गोविंद मोहन का भी कार्यकाल खत्म होने वाला है, लेकिन अब वे अगस्त, 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। केंद्रीय विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिसरी का कार्यकाल जुलाई में एक साल तक के लिए बढ़ दिया गया है। अब वह जुलाई, 2027 तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के डायरेक्टर प्रवीण सूद का सेवा विस्तार हुआ है, यह उनका दूसरी बार किया गया है। इसके बाद अब उनका कार्यकाल मई, 2027 में खत्म होगा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) प्रमुख राहुल नवीन का कार्यकाल बढ़कार अगस्त, 2027 तक कर दिया गया है।

देश के विशाल रेल नेटवर्क की अगुवाई यानी रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार का लगातार दूसरी बार कार्यकाल बढ़ाया है। अब वे इस पद पर अगस्त, 2027 तक रहेंगे। केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद प्रशासनिक और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण संस्थानों में नेतृत्व की निरंतरता बनी रहेगी। एक साथ छह अहम पदों पर कार्यरत अधिकारियों का कार्यकाल बढ़ाए जाने से यह स्पष्ट संकेत मिला है कि सरकार इन संस्थानों में तत्काल नेतृत्व परिवर्तन के बजाय मौजूदा अधिकारियों के अनुभव और कार्यशैली को आगे जारी रखना चाहती है। इन पदों का सीधा संबंध देश के प्रशासन, आंतरिक सुरक्षा, विदेश नीति, जांच व्यवस्था और रेल परिवहन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से है। कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथ का कार्यकाल बढ़ाकर 2027 तक कर दिया गया है। कैबिनेट सचिव केंद्र सरकार के प्रशासनिक ढांचे में सबसे वरिष्ठ पदों में शामिल हैं। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने, महत्वपूर्ण नीतिगत फैसलों के क्रियान्वयन और प्रशासनिक व्यवस्था को दिशा देने में इस पद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में उनके कार्यकाल में विस्तार से केंद्र सरकार के शीर्ष प्रशासनिक स्तर पर निरंतरता बनी रहेगी। गृह सचिव गोविंद मोहन का कार्यकाल भी बढ़ाया गया है। गृह मंत्रालय देश की आंतरिक सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, कानून-व्यवस्था से जुड़े केंद्रीय विषयों और राज्यों के साथ समन्वय जैसे महत्वपूर्ण मामलों को देखता है। गृह सचिव के स्तर पर नेतृत्व में निरंतरता को ऐसे समय में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जब आंतरिक सुरक्षा से जुड़े विषय लगातार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। अब गोविंद मोहन अगस्त 2027 तक इस जिम्मेदारी को संभालेंगे।

रूसी वाणिज्यिक जहाजों को जब्त करने वालों देशों को पुतिन की चेतावनी

नई दिल्ली। रूसी वाणिज्यिक जहाजों को जब्त करने को लेकर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों को चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा कि रूसी जहाजों को जब्त करने की किसी भी कोशिश के खिलाफ रूस जवाबी कदम उठाएगा। पुतिन ने साथ ही स्पष्ट किया कि रूस की यह कार्रवाई किसी एक निश्चित क्षेत्र तक सीमित नहीं होगी। हम जहां भी आवश्यक समझेंगे, वहां कार्रवाई करेंगे। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि मॉस्को अब रूसी वाणिज्यिक जहाजों को जब्ती की घटनाओं पर सख्त कदम उठाएगा। उन्होंने कहा है कि यदि पश्चिमी देश रूसी वाणिज्यिक जहाजों को जब्त करते हैं तो इसका जवाब दिया जाएगा। पुतिन ने चेतावनी देते हुए कहा, 'यदि इन योजनाओं को अमल में लाया गया, तो हमें भी उसी तरह जवाब देना होगा।' 'तास' की रिपोर्ट के अनुसार, पुतिन ने कहा कि यह सिर्फ उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं होगा, जहां रूसी जहाजों को जब्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जहां भी हम इसे आवश्यक और उचित समझेंगे, वहां कार्रवाई करेंगे। कहीं भी, यहां तक कि प्रशांत बेड़े (पैसिफिक फ्लीट) के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में भी।

पलभर में जमींदोज हुई 2 मंजिला इमारत, 2 की मौत 2 घायल, राहत बचाव दल मौके पर पहुंचा

शिमला। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के राजगढ़ विकास खंड में बुधवार (12 अगस्त) को बड़ा हादसा हो गया। दो मंजिला इमारत पलभर में जमींदोज हो गई। मलबे में दबने से 2 लोगों की मौत और 2 घायल हो गए। हैरानी की बात यह है कि जब यह घटना हुई उस समय मौसम बिल्कुल शांत था। इस हादसे का वीडियो एक सीसीटीवी कैमरे से सामने आया है। घटना की जानकारी जैसे ही पुलिस प्रशासन और राहत बचाव दल को दी गई वह तुरंत मौके पर पहुंच गई। कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे 4 लोगों को निकालकर अस्पताल ले जाया गया। मिली जानकारी के अनुसार 2 लोगों ने दम तोड़ दिया और अन्य दो का इलाज अभी चल रहा है। हालांकि, मृतकों को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस और रेस्क्यू की टीमें मलबा हटाने में जुटी हैं। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि मकान के गिरने का मुख्य कारण क्या था? वो भी उस समय जब मौसम बिलकुल साफ था। अधिकारी मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में बुधवार को हुए हादसे ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। राजगढ़ विकास खंड में एक दो मंजिला इमारत अचानक भरभराकर जमीन पर आ गिरी। घटना इतनी तेजी से हुई कि आसपास मौजूद लोगों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। इमारत के मलबे में चार लोग दब गए, जिन्हें राहत और बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला।

सरकारी आवास से मिले नकदी मामले में संसदीय समिति को संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में विफल रहे यशवंत वर्मा

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित एक संसदीय समिति ने दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से नकदी मिलने के मामले में उन्हें जिम्मेदार ठहराया है। समिति ने निष्कर्ष निकाला कि पूर्व दिल्ली हाईकोर्ट के जज आवास में मिले पैसों की मौजूदगी का संतोषजनक स्पष्टीकरण देने में विफल रहे। आईएएनएस को प्राप्त और बुधवार को संसद में पेश की गई समिति की रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली के 30, तुगलक क्रिसेंट स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास के एक स्टोररूम में 500 रुपए के नोटों की बड़ी मात्रा बरामद हुई थी, जिनके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा सकी। यह मामला तब सामने आया था, जब 14 मार्च 2025 की रात उनके आवास पर आग लगी थी।

आग बुझाने पहुंचे दमकलकर्मियों को स्टोररूम में बड़ी मात्रा में आंशिक रूप से जले हुए नकदी के बंडल मिले थे। रिपोर्ट में समिति ने कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा नोटों के स्रोत, स्वामित्व या उनके वहां मौजूद होने को लेकर कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दे सके। समिति ने बाद की जांच प्रक्रिया पर भी चिंता जताई। रिपोर्ट में कहा गया कि महत्वपूर्ण सबूतों को न तो सही तरीके से सुरक्षित रखा गया और न ही संरक्षित किया गया। स्टोररूम की स्थिति को कानूनी तौर पर सील कर जांच किए जाने से पहले ही बदल दिया गया था। रिपोर्ट में बरामद नकदी के गायब होने या उपलब्ध न होने पर भी सवाल उठाए गए हैं। समिति ने कहा कि भौतिक साक्ष्यों के गायब होने की वजह घटनास्थल को सुरक्षित रखने में लापरवाही और आवास से जुड़े कर्मियों द्वारा स्टोररूम में की गई गतिविधियां थीं। यह रिपोर्ट दो खंडों में तैयार की गई है, जिसमें जांच के दौरान दर्ज मौखिक गवाहियां और दस्तावेजी साक्ष्य शामिल हैं। बाद में संसद ने उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की थी। हालांकि, न्यायमूर्ति वर्मा के इस्तीफा देने के बाद यह प्रक्रिया प्रभावी रूप से समाप्त हो गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भ्रष्टाचार एवं कदाचार पर जीरो टॉलरेंस नीतिः लैंगिक उत्पीड़न के मामले में कॉलेज प्राचार्य बर्खास्त

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग, अनियमितताओं एवं गंभीर कदाचार जैसे मामलों में प्रभावी और कठोर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री द्वारा अभियोजन स्वीकृति एवं धारा 17-ए के तहत कार्यवाही के अनुमोदन के साथ विभागीय जांच के गंभीर प्रकरणों का निस्तारण करते हुए लगभग 40 मामलों में कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने राजकीय महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में छात्राओं के लैंगिक उत्पीड़न के एक प्रकरण में सख्त कार्रवाई करते हुए कॉलेज के प्राचार्य को सेवा से बर्खास्त करने का निर्णय लिया है। साथ ही, इस घृणित कृत्य में सहयोग करने वाले एक प्रवक्ता एवं पुस्तकालयाध्यक्ष को भी सेवा से हटाने की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार एवं अन्य आपराधिक प्रकरणों में पद एवं प्रभाव का दुरुपयोग कर अवैध लाभ लेने से जुड़े 6 गंभीर मामलों में अभियोजन स्वीकृति प्रदान की। भ्रष्टाचार निवारण (यथा संशोधित 2018) अधिनियम तथा धन संशोधन निवारण अधिनियम 2002 के तहत सवाई मानसिंह चिकित्सालय के वरिष्ठ आचार्य, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता, वित्तीय सलाहकार, सहायक अभियंता तथा विकास अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने का फैसला लिया। मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के सेवा काल में की गई अनुशासनहीनता, दुराचरण एवं भ्रष्टाचार में संलिप्तता के विभिन्न मामलों में 10 अधिकारियों की पेंशन रोकने का निर्णय लिया।

5 प्रकरणों में शत-प्रतिशत पेंशन रोकने की स्वीकृति भी दी गई। इसी प्रकार, एक प्रकरण में न्यायालय से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषसिद्धि होने पर शत-प्रतिशत पेंशन रोकने का निर्णय लिया गया। वहीं अन्य प्रकरणों में विभागीय जांच पूर्ण होने तक शत-प्रतिशत पेंशन रोकने का निर्णय किया गया। मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच का अनुमोदन करते हुए 5 प्रकरणों में एसीबी को आगामी अन्वेषण की अनुमति दी।

इसी प्रकार, राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, 1958 के नियम 16 के तहत 6 प्रकरणों में विभिन्न अधिकारियों को देय वेतन वृद्धियां संचयी प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने सीसीए नियम 17 के तहत विचाराधीन 2 मामलों में आरोपित अधिकारियों को परिनिंदा के दंड से व नियम 23 के तहत 2 रिव्यू याचिकाओं में राहत देते हुए वेतन वृद्धि रोकने के दंड को परिनिंदा में परिवर्तित करने की स्वीकृति दी। इसी प्रकार, सीसीए नियम 34 के तहत प्रस्तुत 4 रिव्यू याचिकाओं को खारिज करते हुए दण्डादेश यथावत रखे गए है तथा इसकी अभिशंसा राज्यपाल को भिजवा दी गई है। वहीं, विभागीय जांच के 4 प्रकरणों को समाप्त करते हुए आरोपित अधिकारियों को दोषमुक्ति की राहत दी गई।

सरकार हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, लेकिन विपक्ष हंगामा करने पर आमादा : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और छात्र आंदोलन को लेकर संसद में जारी हंगामे के बीच केंद्र सरकार ने विपक्ष पर निशाना साधा है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि सरकार हर मुद्दे पर खुले दिल से चर्चा को तैयार है, लेकिन विपक्ष बिना कुछ सुने हंमागा करने पर आमादा है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। जिंदगी में पहली बार मैं ऐसा दृश्य देख रहा हूं, जहां सरकार सदन में चर्चा चाहती है, लेकिन विपक्ष भाग रहा है। इसकी कल्पना करना मुश्किल है क्योंकि लोकतंत्र में विपक्ष ही चर्चा की मांग करता है और सरकार जवाब देती है। यहां तो सरकार खुद ही चर्चा के लिए कह रही है, लेकिन विपक्ष जवाब सुनना नहीं चाहता है और वे भाग रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों की आप कल्पना कर सकते हैं?' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ये परिस्थिति लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। विपक्ष की कोई जिम्मेदारी होती है।

CBSE 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा परिणाम घोषित, छात्र आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड करें मार्कशीट

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा कक्षा 12वीं के लिए आयोजित सप्लीमेंट्री या कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल हुए जो छात्र परिणाम जारी होने का इंतजार कर रहे हैं, उनके लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। सीबीएसई ने बुधवार को कक्षा 12वीं के सप्लीमेंट्री परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है।

ऐसे में जिन छात्रों ने अपने अंक में सुधार करने या उत्तीर्ण मार्क्स हासिल करने के लिए परीक्षा में भाग लिया था, वे अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट, उमंग ऐप या डिजिलॉकर रिजल्ट पोर्टल पर जाकर परिणाम चेक करने के साथ मार्कशीट डाउनलोड कर सकते हैं। सीबीएसई की 12वीं सप्लीमेंट्री परीक्षा में शामिल होने के लिए कुल 2,91,576 उम्मीदवारों ने सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन किया था, जिनमें से कुल 2,75,287 उम्मीदवारों ने परीक्षा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

दिल्ली में तिरंगा यात्रा में शामिल हुईं CM रेखा गुप्ता, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज रफी मार्ग से कर्तव्य पथ तक आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुईं। इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी मौजूद रहे। सभी हाथ में तिरंगा लेकर देशप्रेम की भावना से कदम मिलाते हुए नजर आए। सीएम रेखा गुप्ता ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर बताया, 'भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की गरिमामयी उपस्थिति में आज रफी मार्ग से कर्तव्य पथ तक आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में सम्मिलित हुई। देश की राजधानी के हृदय में, वीरों के शौर्य और बलिदान की स्मृतियों को संजोए इंडिया गेट से लेकर राष्ट्र के कर्तव्यबोध का प्रतीक कर्तव्य पथ तक, आज तिरंगे की विराट छटा दिखाई दी। इतिहास, वर्तमान और भविष्य जैसे एक ही सूत्र में जुड़े थे। हर ओर लहराता तिरंगा भारत के बलिदान, स्वाभिमान, एकता और 'राष्ट्र प्रथम' के अटूट संकल्प का जीवंत प्रतीक बन गया।'

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'इस अवसर पर दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कैबिनेट सहयोगी प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, रविन्द्र इन्द्राज एवं बड़ी संख्या में युवा साथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पीएम मोदी ने 'हर घर तिरंगा' के माध्यम से तिरंगे को जन-जन के उत्सव और राष्ट्रभाव की एक विराट अभिव्यक्ति बनाया है। आइए, #HarGharTiranga के साथ इस राष्ट्रभाव को दिल्ली की हर गली, हर मोहल्ले और हर घर तक पहुंचाएं।' बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर बताया, 'आज नई दिल्ली में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' आज जनभागीदारी का एक सशक्त अभियान बन चुका है। तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रगौरव की भावना से देश का हर वर्ग उत्साहपूर्वक जुड़ रहा है। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा तथा अन्य वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। आइए, इस स्वतंत्रता दिवस अपने अमर शहीदों को नमन करते हुए 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ें और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को और मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ें।' इससे पहले खबर सामने आई थी कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ भी तिरंगा लेकर सड़क पर उतरे और गोरखपुर में 'तिरंगा यात्रा' निकाली।

राज्यसभा से राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम संशोधन विधेयक पारित, विपक्ष का वॉकआउट

नई दिल्ली। सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन से संबंधित विधेयक पेश किया, जिसे सदन ने पारित कर दिया। हालांकि, विधेयक पर चर्चा के दौरान कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के सदस्य सदन में मौजूद नहीं थे। विपक्ष के अधिकांश दलों ने सदन से वॉकआउट किया। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि देश में सहकारिता क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा में लाने का काम शुरू हो चुका है और पिछले पांच वर्षों में इस क्षेत्र में बड़ी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि आज देश में 8 लाख से अधिक सहकारी संस्थाएं काम कर रही हैं, जिनसे करीब 30 करोड़ सदस्य जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत का सहकारी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े सहकारी नेटवर्क में से एक है। मोहोल ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद पिछले पांच वर्षों में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। करीब 3,000 करोड़ रुपए की लागत से देश के 80,000 प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा है। छोटे गांवों में पैक्स को सक्षम बनाने के लिए मॉडल उपनियम बनाए गए हैं और देश के सभी राज्यों ने इन्हें अपनाया है।

संपादकीय

सौ करोड़ की सीएम मूंधड़ा मेमोरियल मेडिसिन विंग बनकर तैयार, पीबीएम अस्पताल को मिलेगी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की नई पहचान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। पीबीएम अस्पताल बीकानेर की सीएम मूंधड़ा मेडिसिन विंग चिकित्सा जगत में अभूतपूर्व आयाम स्थापित कर इसे देश के सरकारी क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ बनाने को संकल्पित है।स्वतंत्रता दिवस पर राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल द्वारा लोकार्पित की जाने वाली इस मेडिसिन विंग के लोकार्पण समारोह में 100 करोड़ से अधिक की राशि लगाने वाले सीएम मूंधड़ा ट्रस्ट के अध्यक्ष कन्हैयालाल मूंधड़ा एवं उनके परिवार के सदस्य मौजूद रहेंगे।सीएम मूंधड़ा मेडिसिन विंग पीबीएम हॉस्पिटल बीकानेर के महा प्रबंधक पवन वीर सिंह राठौड़ ने बताया कि कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 2.80 लाख वर्गफुट निर्मित क्षेत्रफल में विकसित यह अत्याधुनिक मेडिसिन विंग दिसंबर 2025 में तैयार कर ली गई थी।उन्होंने बताया कि इस विंग के शुरू होने से बीकानेर सहित संभाग के लाखों मरीजों को उन्नत चिकित्सा सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। विंग का निर्माण 27 सितंबर 2022 को शुरू हुआ था और इसे आधुनिक अस्पताल मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। भवन में मरीजों, परिजनों और चिकित्सकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यापक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। राठौड़ ने बताया कि नए मेडिसिन विंग में विभिन्न श्रेणियों के वार्डों सहित कुल 527 से अधिक बेड उपलब्ध होंगे। इसमें सामान्य वार्ड, आईसीयू, एचडीयू, आइसोलेशन वार्ड, स्लीप वार्ड और विशेष चिकित्सा इकाइयां शामिल हैं। तीसरी मंजिल पर तीन आईसीयू इकाइयों में कुल 60 बेड स्थापित किए गए हैं। प्रथम तल पर इमरजेंसी विभाग, डे-केयर, आइसोलेशन वार्ड, जांच एवं परीक्षण प्रयोगशालाएं तथा लगभग 800 लोगों की बैठने क्षमता वाला प्रतीक्षालय बनाया गया है। मरीजों की सुविधा के लिए अलग रिसेप्शन, सैंपल कलेक्शन क्षेत्र और योग स्पेस भी विकसित किया गया है। महाप्रबंधक ने बताया कि विंग में मेडिकल गैस पाइपलाइन सिस्टम (MGPS), केंद्रीय ऑक्सीजन आपूर्ति, वैक्यूम और एयर सिस्टम की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक बेड तक ऑक्सीजन पाइपलाइन पहुंचाई गई है। भवन में अत्याधुनिक HVAC एयर कंडीशनिंग सिस्टम, HEPA फिल्टर, ट्रिटेड फ्रेश एयर सिस्टम और ऊर्जा दक्ष उपकरण लगाए गए हैं। भवन में स्वचालित फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम, हाइड्रेंट नेटवर्क, फायर पंप और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली स्थापित की गई है। भूतल पर 250 कार

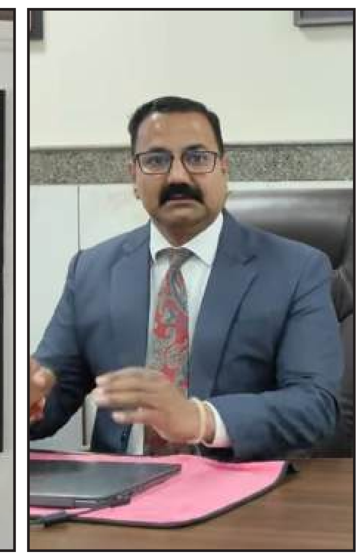

पार्किंग, कैंटीन, सुरक्षा कार्यालय, चेंजिंग रूम, RO प्लांट और अन्य उपयोगी सुविधाएं बनाई गई हैं। चिकित्सकों के लिए अलग चेंबर, पुरुष एवं महिला चेंजिंग रूम तथा ट्रस्टी कार्यालय की व्यवस्था की गई है। भवन में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, आधुनिक प्लंबिंग सिस्टम, पश्चिमी शैली के शौचालय, गर्म पानी की व्यवस्था तथा बड़े क्षमता वाले भूमिगत और ओवरहेड जलाशय बनाए गए हैं। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि सीएम मूंधड़ा मेमोरियल मेडिसिन विंग के संचालन में आने के बाद पीबीएम अस्पताल की उपचार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और गंभीर मरीजों को जयपुर या अन्य बड़े शहरों में रेफर करने की आवश्यकता कम पड़ेगी। यह परियोजना बीकानेर संभाग के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। मूंधड़ा ट्रस्ट ने इस अस्पताल के व्यवस्थित संचालन के लिए मेडिकल लाइन के बीस वर्ष के अनुभवी और दक्षिणी अफ्रीका में पांच वर्ष तक प्रसिद्ध हॉस्पिटल नॉर्विक के कंट्री हेड रहे पवन वीर सिंह राठौड़ को विशेष तौर से बुलाया है। 2004 में पुणे के सिमबायोसिस से हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स डिग्री हासिल करने के बाद फोर्टिस एस्कॉर्ट्स जयपुर, मणिपाल,मेदांता गुड़गांव,आर्टमिस गुड़गांव,एमजी मेडिकल कॉलेज जयपुर,जेएनयू जयपुर,सीके बिरला जयपुर सहित अनेक प्रसिद्ध अस्पतालों में कार्यभार चुके पवनवीर सिंह राठौड़ दक्षिण अफ्रीका से विशेष रूप से बीकानेर बुलाए गए हैं।

पंचगौरव समीक्षा बैठक में अर्जुन, संतरा एवं टेक्सटाइल के विकास पर जोर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में पंचगौरव की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंचगौरव के तहत चयनित अर्जुन, संतरा, बास्केटबॉल, मांडलगढ़ दुर्ग एवं टेक्सटाइल उत्पाद के विकास, संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार की समीक्षा की गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पंचगौरव हेतु कुल 37 लाख रुपये का बजट प्राप्त हुआ है। अर्जुन वनस्पति प्रजाति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हरणी महादेव नर्सरी की क्षमता वृद्धि एवं आधुनिकीकरण, शेडनेट निर्माण तथा नर्सरी उपकरणों की खरीद जैसे कार्य किये जाएंगे। भीलवाड़ा के पंचगौरव के तहत चयनित अर्जुन एवं संतरा को राजस्थान वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट नीति-2024 से जोड़ते हुए पात्र प्रसंस्करण इकाइयों को उद्यमिता, तकनीक, गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं विपणन के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट नीति के तहत पात्र इकाइयों को 25 लाख रुपये तक मार्जिन मनी सहायता, 5 लाख रुपये तक टेक्नोलॉजी एक्विजिशन सहायता, 3 लाख रुपये तक गुणवत्ता प्रमाणन सहायता, 2 लाख रुपये तक मेले-प्रदर्शनी में भागीदारी सहायता तथा 1 लाख रुपये तक ई-कॉमर्स अनुदान का प्रावधान है। कार्यशाला में संबंधित उत्पादकों, उद्यमियों एवं हितधारकों को योजनाओं एवं उपलब्ध प्रोत्साहनों की जानकारी दी जाएगी।

विद्यालयी शैक्षिक भ्रमण में घरेलू पर्यटन को प्राथमिकता

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन से निकले राष्ट्रीय जनादेश के तहत माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. राम गोपाल शर्मा ने प्रदेश के समस्त सम्भागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देश जारी कर विद्यालयों के शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रमों में घरेलू पर्यटन को प्राथमिकता देने को कहा है। यह निर्देश में बताया गया है कि भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने विद्यार्थियों और युवा प्रतिनिधिमंडलों के संगठित भ्रमण के माध्यम से घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया है। निदेशालय ने सभी संयुक्त निदेशकों को अपने क्षेत्राधिकार में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि भविष्य में विद्यालयी शैक्षिक भ्रमणों के लिए क्षेत्रों के चयन में घरेलू पर्यटन स्थलों को प्राथमिकता दी जाए। इस तरह भ्रमण को विद्यार्थियों की पाठ्यक्रम संबंधी समझ के साथ जोड़ा जा सकता है।

श्री अग्रसेन जन सेवा समिति हीरा दास के कार्यकारिणी सदस्यों ने किया धार्मिक भ्रमण

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। श्री अग्रसेन जन सेवा समिति हीरा दास की महिला इकाई द्वारा सावन माह के पावन अवसर पर एक धार्मिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला अध्यक्ष उमा गर्ग के नेतृत्व में पुरुष एवं महिला इकाई के कार्यकारिणी सदस्यों को धार्मिक स्थलों के दर्शन हेतु भ्रमण कराया गया। समिति की महामंत्री कुसुम गर्ग ने बताया कि यात्रा के दौरान सभी सदस्यों ने खाटू श्याम जी, हलैना में दर्शन किए तथा इसके पश्चात 108 शिवलिंग, खेड़ली पहुंचकर 108 शिवलिंगों के दर्शन एवं जलाभिषेक किया। सावन माह में आयोजित इस धार्मिक यात्रा में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री मनोज जिंदल, पूर्वी राजस्थान के उपाध्यक्ष भारत भूषण अग्रवाल, अग्रवाल महासभा भरतपुर के जिला महामंत्री ओमप्रकाश गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंघल, शहर युवा अध्यक्ष मनीष गर्ग तथा अग्रवाल महासभा भरतपुर की जिला अध्यक्ष श्रीमती शालिनी मित्तल सहित उनकी टीम ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समिति के महामंत्री योगेश सिंघल ने बताया कि यात्रा के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा

लिया। सभी सदस्यों ने धार्मिक दर्शन के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आनंद लिया और आपसी सौहार्द एवं भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गर्ग ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय शिक्षक क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता 30-31 दिसंबर को

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। सातवीं राज्य स्तरीय शिक्षक क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के आयोजन कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार ने इसका कलेंडर जारी किया है। इसके अनुसार तहसील स्तर पर चयन 24-25 अगस्त तथा जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं एवं दल गठन 8-9 सितंबर 2026 को होगा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व प्रशिक्षण 26-27 दिसंबर तथा मुख्य प्रतियोगिता 30-31 दिसंबर 2026 को आयोजित की जाएगी। पुरुष वर्ग की प्रतियोगिताएं उदयपुर एवं जयपुर संभाग में तथा महिला वर्ग की प्रतियोगिताएं भरतपुर संभाग में होंगी। उदयपुर में बास्केटबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज और एथलेटिक्स, जयपुर में कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल व सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भरतपुर में महिला वर्ग की खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। सभी राजकीय विद्यालयों तथा पंचायतीराज विभाग के विद्यालयों में कार्यरत पात्र शिक्षक प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे।

वंदे मातरम् @150 के तहत संभागीय मुख्यालयों के विद्यालयों में होंगे सामूहिक गायन व निबंध प्रतियोगिताएं

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। राष्ट्रगीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे "वंदे मातरम् @150" कार्यक्रम के तहत राजस्थान के संभागीय मुख्यालयों पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन तथा निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार कार्यक्रम का तृतीय चरण 7 से 15 अगस्त 2026 तथा चतुर्थ चरण 1 से 7 नवम्बर 2026 के बीच आयोजित होगा। तृतीय चरण में जयपुर, अजमेर, बीकानेर और उदयपुर संभागीय मुख्यालयों के विद्यालयों में कार्यक्रम होंगे, जबकि शेष संभागीय मुख्यालयों में आयोजन नवम्बर माह में किया जाएगा। निबंध प्रतियोगिता का विषय "वंदे मातरम् : भारतीय स्वतंत्रता का अमर उद्घोष" रखा गया है। प्रत्येक संभागीय मुख्यालय पर प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेताओं को शांति एवं अहिंसा विभाग की ओर से प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया जाएगा। निदेशालय ने सभी संभागीय संयुक्त निदेशकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्राधिकार के विद्यालयों में कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करें तथा निर्देशों की अक्षरशः पालना कराएं। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राजस्थान के विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे वंदे मातरम् @150 कार्यक्रम के तहत संभागीय मुख्यालयों पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों को राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका से परिचित कराने के लिए सामूहिक गायन तथा निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक प्रसंगों के प्रति रुचि विकसित करने का प्रयास किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार आयोजन को अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। वहीं शेष संभागीय मुख्यालयों में चतुर्थ चरण के तहत 1 से 7 नवम्बर 2026 के बीच कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस तरह प्रदेश के विभिन्न संभागों के विद्यार्थियों को इस विशेष आयोजन से जोड़ने की योजना बनाई गई है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालयों में वंदे मातरम् का सामूहिक गायन प्रमुख गतिविधि होगी। विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ की सहभागिता से आयोजित होने वाले इस सामूहिक गायन का उद्देश्य राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान और उसके ऐतिहासिक महत्व को विद्यार्थियों तक पहुंचाना है। विद्यालयों में आयोजन के दौरान अनुशासन और निर्धारित कार्यक्रम की पालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का विषय 'वंदे मातरम् : भारतीय स्वतंत्रता का अमर उद्घोष' निर्धारित किया गया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 15 अगस्त को उदयपुर आएंगे

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार, 15 अगस्त को रात्रि उदयपुर पहुंचेंगे और सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। वे रविवार, 16 अगस्त को निम्बाहेड़ा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शाह 16 अगस्त को प्रातः उदयपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा निम्बाहेड़ा पहुंचेंगे।

वहां जे.के. सर्किल पर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की विशाल प्रतिमा का अनावरण करेंगे। कार्यक्रम के बाद शाह दोपहर हेलीकॉप्टर से उदयपुर लौटेंगे और विशेष विमान से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह 15 अगस्त की रात उदयपुर पहुंचेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार वे उदयपुर स्थित सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम करेंगे। उदयपुर में रात्रि विश्राम के दौरान भी सुरक्षा के विशेष इंतजाम रहने की संभावना है।

रोमिनस का पौष्टिक ब्रांड न्यूट्री क्रस्ट लॉन्च, हाइजीनिक और पौष्टिक खानपान अनिवार्य - आशीष अग्रवाल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। वर्तमान समय में हाइजीनिक और शुद्ध पौष्टिक खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाना अनिवार्य है।प्रसिद्ध ब्रांड भीखाराम चांदमल के आशीष अग्रवाल ने रोमिनस पिज्जा एंड बर्गर के पौष्टिक विकल्प न्यूट्री क्रस्ट' लॉन्च के अवसर पर ये बात कही। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर सबसे बड़ी जरूरत है और इसके लिए फूड इंडस्ट्री की बड़ी जवाबदेही है।रोमिनस के प्रतिनिधि विजय चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल आधुनिक स्वाद के साथ बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। चौधरी ने बताया कि न्यूट्री क्रस्ट में गेहूं का आटा, ओट फ्लोर, बेसन, चिया सीड्स, पंपकिन सीड्स, फ्लैक्स सीड्स और इसबगोल का मिश्रण शामिल है। इसके स्वाद को बढ़ाने के लिए अजवाइन, ऑरेगैनो, बेसिल और कसूरी मेथी का विशेष हर्ब ब्लेंड उपयोग किया गया है।उन्होंने

बताया कि न्यूट्री क्रस्ट के तीन प्रमुख आधार बेहतर पोषण, अधिक फाइबर और स्वाद से बिना समझौते के हेल्दी विकल्प प्रदान करना हैं। यह उन ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है जो पिज्जा का आनंद लेते हुए अपने फिटनेस और बेहतर लाइफस्टाइल का भी ध्यान रखना चाहते हैं। प्रवक्ता शक्ति सिंह ने बताया कि न्यूट्री क्रस्ट अब सभी रोमिनस आउटलेट्स पर उपलब्ध है और ग्राहक इसे अपनी पसंदीदा टॉपिंग्स के साथ ऑर्डर कर सकते हैं। इस अवसर पर भीखाराम चांदमल के ही आनंद अग्रवाल ने वर्तमान समय में पौष्टिक खानपान के प्रति बढ़ती जागृति को रेखांकित किया। न्यूट्री क्रस्ट को इसी दिशा में एक प्रयास के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें पारंपरिक गेहूं के आटे के साथ जई का आटा, बेसन, चिया बीज, कद्दू के बीज, अलसी के बीज और इसबगोल को शामिल किया गया है। इनके मिश्रण से तैयार आधार को सामान्य आहार की तुलना में अधिक पौष्टिक विकल्प के रूप में ग्राहकों के सामने रखा गया है।

उदयपुर में रिमझिम बारिश के बीच हरियाली अमावस्या मेला : सहेलियों की बाड़ी से फतहसागर तक उमड़ा जनसैलाब

एजेंसी, थिंक राजस्थान

उदयपुर। झीलों की नगरी उदयपुर में ऐतिहासिक हरियाली अमावस्या मेले का आगाज बेहद उत्साह और उल्लास के साथ हुआ। मंगलवार रात से जारी रिमझिम बारिश और सुहावने मौसम के बीच सहेलियों की बाड़ी से लेकर फतहसागर की पाल तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शहरवासियों के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण इलाकों से आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों ने परिवार व दोस्तों संग मेले का जमकर लुत्फ उठाया।

रिमझिम फुहारों के बीच उल्लासः दिनभर रुक-रुककर हुई हल्की बारिश और ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट आई, जिससे लोगों को उमस से राहत मिली और मेले का मजा दोगुना हो गया।

मनोरंजन व खान-पानः बच्चों और बड़ों ने चकरी, डोलर व विभिन्न झूलों का आनंद लिया। मेले में आए लोगों ने पारंपरिक मालपुए, घेवर, खस्ता पापड़ी, पकौड़ी और आइसक्रीम का स्वाद चखा। शाम होते-होते पूरा मेला परिसर खचाखच भर गया।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः इस मेले की शुरुआत साल 1899 में महाराणा फतह सिंह के शासनकाल में हुई थी। अगले वर्ष चावणी रानी की पहल पर महिलाओं के लिए पृथक मेले की शुरुआत की गई। शुरुआती दौर में राजदरबार की ओर से मालपुए बनवाए जाने के कारण इसे 'मालपुए का मेला' भी कहा जाता था।

13 अगस्त (गुरुवार) को महिला मेलाः मेले का दूसरा दिन (गुरुवार) पूरी तरह महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। फतहसागर की पाल और सहेलियों की बाड़ी क्षेत्र में केवल महिलाओं को ही प्रवेश मिलेगा, जहाँ वे बेफिक्र होकर खरीदारी और घूमने का आनंद लेंगी।

दोपहिया वाहनः फतहपुरा चौकी से सहेलियों की बाड़ी की तरफ दीवार के सहारे।

नगरीय निकाय चुनाव-2026 : आदर्श आचार संहिता लागू होने पर जिला प्रशासन को त्वरित कार्रवाई के निर्देश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान ने आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 को लेकर सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों (कलक्टर-नगर निकाय) को आदर्श आचार संहिता की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं। आयोग के अनुसार चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाएगी और निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक लागू रहेगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव राजेश वर्मा द्वारा जारी आदेश में सरकारी एवं सार्वजनिक संपत्तियों पर लगे पोस्टर, बैनर, होर्डिंग्स, फ्लैक्स, झंडे तथा दीवार लेखन हटाने, सरकारी वाहनों के दुरुपयोग पर रोक लगाने और सार्वजनिक स्थानों के दुरुपयोग को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन को निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई कर आयोग को रिपोर्ट भेजनी होगी। आयोग ने चार अलग-अलग प्रपत्रों में जानकारी मांगी है। सरकारी संपत्तियों से प्रचार सामग्री हटाने तथा सरकारी वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध संबंधी रिपोर्ट 24 घंटे में, सार्वजनिक संपत्तियों से प्रचार सामग्री हटाने की रिपोर्ट 48 घंटे में तथा निजी संपत्तियों पर लगी प्रचार सामग्री हटाने और विकास/निर्माण कार्यों की स्थिति संबंधी रिपोर्ट 72 घंटे में भेजनी होगी। सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि कार्रवाई की रिपोर्ट एक्सेल शीट प्रारूप में आयोग की ई-मेल आईडी secraj@rajasthan.gov.in पर सॉफ्ट कॉपी के रूप में तथा हार्ड कॉपी संलग्न कर प्रेषित की जाए। आयोग ने संभागीय आयुक्तों एवं संबंधित विभागों को भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। राजस्थान में आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 की तैयारियों के बीच राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज कर दी है। आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता की प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाए। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक आचार संहिता लागू रहेगी और इस दौरान सरकारी मशीनरी तथा सार्वजनिक संसाधनों के राजनीतिक उपयोग पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। आयोग की ओर से जारी निर्देशों में सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों पर चुनाव प्रचार से जुड़ी सामग्री हटाने को प्राथमिकता दी गई है। सरकारी भवनों, कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों और अन्य सरकारी संपत्तियों पर लगे पोस्टर, बैनर, होर्डिंग्स, फ्लैक्स, झंडे और दीवार लेखन को निर्धारित समय सीमा के भीतर हटाना होगा। जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के बाद सरकारी संपत्तियां किसी राजनीतिक दल या प्रत्याशी के प्रचार का माध्यम न बनें। सरकारी वाहनों के उपयोग को लेकर भी आयोग ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।

राजस्थान/ प्रादेशिक

बीकानेर की कलाकार खुशबू रघुवंशी को मिला चंडीगढ़ ललित कला अकादमी का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय अवार्ड

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। बीकानेर की होनहार कलाकार खुशबू रघुवंशी ने राष्ट्रीय स्तर पर कला के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए बीकानेर शहर का नाम रोशन किया है।

चंडीगढ़ प्रशासन के संस्कृति विभाग और चंडीगढ़ ललित कला अकादमी की ओर से आयोजित 'वार्षिक कला प्रदर्शनी 2025-26' में खुशबू को उनके उत्कृष्ट कला कार्य के लिए प्रतिष्ठित अवार्ड से नवाजा गया है। चंडीगढ़ के सेक्टर-16 स्थित पंजाब कला भवन में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने खुशबू रघुवंशी को यह सम्मान प्रदान किया।

इस अवसर पर संस्कृति सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह सहित कला जगत की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

खुशबू रघुवंशी को यह पुरस्कार प्रोफेशनल कैटेगरी (व्यावसायिक वर्ग) में उनकी सराहना हासिल करने वाली विशेष कलाकृति 'इट्स टाइम' (It's Time) के लिए दिया गया है।

काठमांडू में उद्योगपति राकेश रूहेला से पत्रकार धायल और सैन की आत्मीय मुलाकात

एजेंसी, थिंक राजस्थान

काठमांडू। नेपाल भ्रमण के दौरान सीकर के पत्रकार विनोद धायल और लोकेश सैन ने काठमांडू में प्रवासी भारतीय एवं उद्योगपति राकेश रूहेला से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान शेखावाटी और नेपाल के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक जुड़ाव सहित क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान शेखावाटी के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य, क्षेत्रीय राजनीति में हो रहे बदलावों और स्थानीय स्तर पर सक्रिय राजनीतिक गतिविधियों को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। वहीं क्षेत्र में बदलते राजनीतिक समीकरण, जनप्रतिनिधियों की भूमिका तथा आमजन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके साथ ही शेखावाटी के विकास, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, शिक्षा, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े विषयों को लेकर भी विचार साझा किए गए।

सर्किट हाउस में बोलीं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़—संगठन और जनकल्याण में महिलाओं की भूमिका अहम

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। राजस्थान भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ ने जोधपुर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने संगठन के भावी कार्यक्रमों, महिला सशक्तिकरण और प्रदेश में महिलाओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी। संगठन की मजबूती और जन-जागरूकता पर ध्यान मीडिया से संवाद करते हुए राखी राठौड़ ने मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला।

सक्रिय भागीदारीः भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशभर में महिलाओं को संगठन से जोड़ने और उनकी समस्याओं व अधिकारों को प्रमुखता से उठाने के लिए लगातार सक्रियता से कार्य कर रहा है।और कार्रवाई की मांग की। थाना अधिकारी पवन यादव ने बताया कि महिला ने कोर्ट के जरिए मुकदमा दर्ज करवाया था। मामले को लेकर जांच चल रही है।

योजनाओं का प्रचार-प्रसारः उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित महिला कल्याणकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी नीतियों की जानकारी आमजन और पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

जमीनी स्तर पर भूमिकाः कार्यकर्ता न केवल राजनीतिक व संगठनात्मक स्तर पर अपनी भूमिका निभा रहे हैं, बल्कि सामाजिक परिस्थितियों को समझते हुए अंतिम छोर की महिला तक सरकार की मदद पहुंचाने में सहायक बन रहे हैं। मीडिया से संवाद के दौरान राखी राठौड़ ने कहा कि प्रदेशभर में महिला मोर्चा की ओर से महिलाओं को संगठन से जोड़ने के साथ उनकी समस्याओं को प्रमुखता से सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को समझने और उनके समाधान के लिए कार्यकर्ताओं को लगातार सक्रिय रहना होगा। इसके लिए मंडल और बूथ स्तर तक संगठन की गतिविधियों को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए सरकार की ओर से कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं की जानकारी पात्र महिलाओं तक पहुंचाना बेहद जरूरी है। कई बार जानकारी के अभाव में पात्र लाभार्थी सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में महिला मोर्चा के कार्यकर्ता सरकार और आमजन के बीच संपर्क की महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर सकते हैं।

कुराड़ा निवासी मुकेश कुमावत बने राजस्थान क्षत्रिय कुमावत समाज सूरत के अध्यक्ष

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जावला। राजस्थान क्षत्रिय कुमावत समाज सूरत में कुराड़ा निवासी मुकेश कुमावत को सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया गया इस दौरान कार्यकारिणी का विस्तार करते हुवे संगठन के उपाध्यक्ष पद पर भेराराम कुमावत, कोषाध्यक्ष राजू कुमावत,संरक्षक मंत्री जयराम कुमावत, सचिव मोडूराम कुमावत,संगठन मंत्री डाल जी कुमावत, वित्त मंत्री रामनिवास कुमावत गोंनरडा, मिडिया प्रभारी प्रेम कुमावत, गृह मंत्री चेनाराम कुमावत को नियुक्त किया गया वही कमेटी के मेंबर रामनिवास कुमावत कुराड़ा, राजू कुमावत ,कैलाश कुमावत, सत्यनारायण कुमावत पिलवा,देवीलाल कुमावत पिलवा को नियुक्त किया गया। नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम करेगी अंत में सब का आभार व्यक्त किया गया।

इंजीनियर जीवनलाल शर्मा कांग्रेस खनन विकास प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष बने

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। राष्ट्रीय ओल्ड इज गोल्ड संस्था भरतपुर द्वारा बुधवार, 12 अगस्त 2026 को स्थानीय शास्त्री पार्क में एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंजीनियर जीवनलाल शर्मा को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के खनन विकास एवं उत्थान प्रकोष्ठ में प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। समारोह के दौरान संस्था के पदाधिकारियों व सदस्यों ने उनका साफा, पुष्पहार और पटका पहनाकर भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर शिवदेश सिंह उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता 92 वर्षीय सुंदर सिंह 'नेताजी' ने की। वहीं संभाग अध्यक्ष बने सिंह धावई विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का सफल संचालन संभाग महामंत्री प्रदीप कुमार शर्मा द्वारा किया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंजीनियर जीवनलाल शर्मा एक बेहद मेहनती, निष्ठावान और व्यवहार कुशल कार्यकर्ता हैं। अतिथियों व सदस्यों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्याम मित्र मंडल नाडिया के सदस्यों ने किया नवनियुक्त थानाधिकारी अनिल कुमार जैमनी का स्वागत

एजेंसी, थिंक राजस्थान

आपको बता दे की हाल ही में बिंदायका थाना जयपुर में अनिल कुमार जैमनी थानाधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं और इसके कुछ ही दिनों में क्षेत्र में बढ़ते जुर्म के खिलाफ एक्शन ले रहे हैं जिससे अपराधियों में डर और आमजन में विश्वास बना हुआ है।बुधवार 12 अगस्त को श्याम मित्र मंडल नाडिया के सदस्यों ने बिंदायका थाना पहुंचकर थानाधिकारी जैमनी जी का श्याम बाबा की छवि और दुपट्टा भेंट कर स्वागत किया साथ ही उनके कर्तव्य के प्रति समर्पित भावों के लिए आभार प्रकट किया। इस मौके पर मंडल के सदस्य महेन्द्र कुलदीप , राकेश उज्जेनिया , मोहन बसेटिया व सुरेश कासोटिया उपस्थित थे। जयपुर के बिंदायका थाने में हाल ही में थानाधिकारी के रूप में नियुक्त हुए अनिल कुमार जैमनी ने कार्यभार संभालने के बाद क्षेत्र में बढ़ते अपराध पर अंकुश लगाने को लेकर सक्रियता दिखाई है। पुलिस की ओर से की जा रही कार्रवाई से जहां अपराधियों में भय का माहौल बनने की बात कही जा रही है, वहीं आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ने की उम्मीद भी जगी है। क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों की ओर से पुलिस की भूमिका की सराहना की जा रही है। इसी क्रम में बुधवार, 12 अगस्त को श्याम मित्र मंडल नाडिया के सदस्यों ने बिंदायका थाने पहुंचकर थानाधिकारी अनिल कुमार जैमनी का स्वागत किया। स्थानीय लोगों की अपेक्षा है कि पुलिस अपराध की रोकथाम के साथ-साथ आमजन की शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई करे और क्षेत्र में नियमित गश्त एवं निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाए।

स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी का भव्य स्वागत, 2.51 लाख की प्रोत्साहन राशि से किया सम्मान

एजेंसी, थिंक राजस्थान

कोटा।(विनोद धायल) कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की महिला 70 किलोग्राम बॉक्सिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश, राजस्थान और समाज का गौरव बढ़ाने वाली प्रतिभाशाली बॉक्सर अरुंधति चौधरी का मंगलवार को श्री तेजा मंदिर ट्रस्ट, कोटा संभाग की प्रबंध कार्यकारिणी की ओर से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

तलवंडी स्थित श्री तेजा मंदिर ट्रस्ट परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में अरुंधति चौधरी का समाजबंधुओं एवं ट्रस्ट पदाधिकारियों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जोरदार स्वागत किया।

पुष्पमालाओं और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई दी गई। इस दौरान ट्रस्ट की ओर से अरुंधति चौधरी को 2 लाख 51 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि अरुंधति चौधरी ने अपनी कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास, लगन और अदम्य साहस के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया है। उनकी इस उपलब्धि से भारत के साथ-साथ राजस्थान और समाज का गौरव बढ़ा है। वक्ताओं ने कहा कि अरुंधति की सफलता विशेष रूप से बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने साबित किया है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर बेटियां खेलों सहित हर क्षेत्र में देश का नाम रोशन कर सकती हैं। उनकी उपलब्धि युवा पीढ़ी को खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। समारोह में बड़ी संख्या में समाजबंधु, ट्रस्ट पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने अरुंधति चौधरी को उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। तलवंडी स्थित श्री तेजा मंदिर ट्रस्ट परिसर

में आयोजित समारोह में समाजबंधुओं और ट्रस्ट पदाधिकारियों ने अरुंधति का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और उनकी उपलब्धि को पूरे समाज के लिए गौरव का क्षण बताया। सम्मान समारोह में अरुंधति चौधरी के पहुंचते ही ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया गया। समाजबंधुओं ने पुष्पमालाएं पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें ऐतिहासिक सफलता के लिए बधाई दी। इस दौरान समारोह स्थल पर उत्साह का माहौल रहा और उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ अरुंधति का अभिनंदन किया।

प्राचीन पांडुलिपियों और राजस्थान भारती के दुर्लभ अंकों की प्रदर्शनी शुरू

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। सादूल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर के तत्वावधान में आजादी की 80वीं वर्षगांठ के अवसर पर राजकीय संग्रहालय परिसर स्थित संस्था के सभागार में प्राचीन पांडुलिपियों तथा 'राजस्थान भारती' के दुर्लभ एवं प्राचीन अंकों की दो दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ।

प्रदर्शनी में राजस्थान की साहित्यिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से जुड़े दुर्लभ दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया है।उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि-कथाकार राजेन्द्र जोशी ने की। मुख्य अतिथि संग्रहालयाध्यक्ष राकेश शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि साहित्यकार राजाराम स्वर्णकार रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ समीक्षक अशफाक कादरी ने प्राचीन ग्रंथों और पांडुलिपियों पर पत्र-वाचन किया। इसलिए इन दुर्लभ ग्रंथों और पत्र-पत्रिकाओं का संरक्षण और दस्तावेजीकरण अत्यंत आवश्यक है।

दांता में घर में चोरी की वारदात को लेकर पुलिस की कार्रवाई

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दांतारामगढ़। फरवरी 2026 में दांता में बागवाली बगीची के पास रात्रि में एक मकान में हुई चोरी की घटना का थानाधिकारी राजेश कुमार डूडी के नेतृत्व में एएसआई विमल कुमार ने खुलासा करते हुए चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दांता निवासी शातिर चोर इम्तियाज उर्फ इमरान तेली को गिरफ्तार किया है और आरोपी को कोर्ट से पुलिस रिमांड पर लेकर आरोपी की निशानदेही पर चोरी किया गया माल बरामद किया है। थानाधिकारी राजेश कुमार डूडी ने बताया कि फरवरी माह में दांता में बागवाली बगीची के पास जयप्रकाश शर्मा के घर में सीढ़ियों का गेट तोड़कर मकान में घुसकर अलमारी के ताले तोड़कर सोने चांदी के जेवरात व नगदी चोरी होने की घटना हुई थी और इसको लेकर शुभम शर्मा ने अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला दर्ज होने के बाद तकनीकी सहायता, सीसीटीवी कैमरे की फुटेज अन्य आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान की और लगातार तलाश करते हुए पुलिस ने आरोपी इम्तियाज उर्फ इमरान तेली पुत्र मुमताज तेली निवासी दांता को गिरफ्तार किया और कड़ी पूछताछ कर चोरी किया हुआ माल बरामद किया है इसके साथ ही पूछताछ में आरोपी द्वारा दांता में एक अन्य जगह भी चोरी की घटना को भी अंजाम देना सामने आया है। आरोपी काफी शातिर नकबजन है जो सुने मकानों की रेकी करके चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। फिलहाल आरोपी अब पुलिस गिरफ्त में है। थानाधिकारी राजेश कुमार डूडी ने बताया कि फरवरी माह में बागवाली बगीची के पास जयप्रकाश शर्मा के मकान में चोरी की घटना हुई थी। चोर ने सीढ़ियों का गेट तोड़कर मकान में प्रवेश किया और इसके बाद अलमारी के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण तथा नकदी चोरी कर ली थी। घटना के बाद शुभम शर्मा की ओर से अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। वारदात के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार आरोपी को पकड़ने के बाद उससे चोरी की वारदात के संबंध में पूछताछ की गई। इसके बाद आरोपी की निशानदेही पर चोरी किए गए सामान की बरामदगी की गई।

कानोड़िया कॉलेज में ओरिएंटेशनः कला संकाय की 400 छात्राओं ने लिया भाग, नाटकों से समझाए गए नियम

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर में बुधवार, 12 अगस्त 2026 को प्रथम वर्ष की नवप्रवेशित छात्राओं के लिए तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। उद्घाटन दिवस पर कला संकाय (Arts Faculty) की प्रथम सेमेस्टर की लगभग 400 छात्राओं ने भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को कॉलेज की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन और विभिन्न कल्याणकारी प्रकोष्ठों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कहा कि जीवन में सफलता पाने के लिए केवल डिग्री हासिल करना ही काफी नहीं है, बल्कि इसके साथ आत्मविश्वास, बेहतर संवाद शैली और विभिन्न व्यावहारिक कौशलों का होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं के सर्वांगीण विकास में कॉलेज की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ओरिएंटेशन के दौरान छात्राओं को कॉलेज में संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों के अलावा शिकायत निवारण समिति, रैगिंग विरोधी दस्ते और आंतरिक परिवाद प्रकोष्ठ (ICC) की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। सह-शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत थियेटर क्लब की प्राध्यापिकाओं ने एक रोचक लघु नाटक की प्रस्तुति देकर छात्राओं को कॉलेज के नियम व अनुशासन समझाए। अंत में उप-प्राचार्य (छात्र गतिविधि) डॉ. मनीषा माथुर ने कॉलेज के विभिन्न क्लब्स, सेंटर्स व अन्य गतिविधियों की जानकारी देते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन प्राध्यापिका डॉ. शीताभ शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित विभिन्न शैक्षणिक और कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। छात्राओं को बताया गया कि नियमित अध्ययन के साथ वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विभिन्न सह-

शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग ले सकती हैं। इससे उनके व्यक्तित्व विकास के साथ नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा मिलेगा। अभिमुखीकरण कार्यक्रम में छात्राओं को महाविद्यालय की विभिन्न शिकायत एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं से भी परिचित कराया गया। शिकायत निवारण समिति, रैगिंग विरोधी दस्ते और आंतरिक परिवाद प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

ज्ञान गंगा महोत्सव में हमे दुनिया को नहीं खुद को बदलने का प्रयास करना है

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट, मैन सेक्टर शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्र संत मनोज्ञाचार्य पुलकसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में 15 अगस्त से ज्ञान गंगा महोत्सव प्रारंभ होने से पहले इन दिनों शास्त्रीनगर स्थित सूर्यमहल में धर्म की गंगा प्रवाहित हो रही है। आचार्य पुलकसागर महाराज ने बुधवार सुबह सूर्यमहल में धर्म संदेश प्रदान करते हुए कहा कि जीवन में हमारे कर्म ही तय करते है कि पाप या पुण्य में से किसका पलड़ा भारी रहने वाला है। जिनका समय जिनवाणी सुनने में बीतता है उनका पुण्य प्रबल होता है ओर जिनका समय मौजमस्ती में निकल जाता है उनके जीवन में पाप का पलड़ा भारी होने से प्रतिकूलताएं बढ़ती जाती है।

उन्होंने कहा कि चातुर्मास आत्मनिरीक्षण ओर संयम की साधना का पर्व है। पुण्यशाली जीव ही जिनवाणी सुन पाते है। हमारे कर्म ही तय करते है कि हम भगवान बनेंगे या नरक गति में जाएंगे। कषाय को जीतने के लिए हम स्वभाव में आना होगा।

मनोरंजन समाचार

सारा अली खान के बर्थडे पर रकुलप्रीत सिंह समेत फिल्मी हस्तियों ने लुटाया प्यार

अभिनेत्री सारा अली खान बुधवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर इंडस्ट्री के खास दोस्तों और परिवार के लोगों ने अभिनेत्री को बधाई दी। अभिनेत्री करीना कपूर ने इंस्टाग्राम पर सारा के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इसमें सारा के साथ पिता सैफ अली खान, करीना कपूर, इब्राहिम नजर आ रहे हैं। करीना ने जन्मदिन की बधाई देते हुए लिखा, "हैप्पी बर्थडे सारा डार्लिंगऔर कद्दू की सब्जी और अब दही। तुम्हारी प्लेट हमेशा भरी रहे।" अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने भी अपनी को-स्टार सारा अली खान को जन्मदिन की बधाई देते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर उनके साथ तस्वीर पोस्ट कर लिखा, "जन्मदिन मुबारक हो सारा! तुम जहां भी जाती हो, वहां अपनी प्यारी और मजेदार वाइब्स से माहौल खुशनुमा कर देती हो। तुम्हारे साथ बिताई सारी हंसी-मजाक, मस्ती और क्रेजी मूमेंट्स के लिए मैं बहुत शुक्रगुजार हूं। हमेशा ऐसी ही रहना और अपनी खुशियों से सबके चेहरे पर मुस्कान लाती रहना।" सारा अली खान 12 अगस्त को 31 साल की हो गईं। अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर अपने परिवार के सदस्यों और फिल्म इंडस्ट्री के दोस्तों से जन्मदिन की दिल से शुभकामनाएं मिलीं। सारा जल्द ही आगामी सीरीज 'उड़ता तीर' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे आयुष्मान खुराना के साथ होंगी। फिल्म के रिलीज शेड्यूल में बदलाव किया गया है और अब यह पहले से घोषित 11 सितंबर के बजाय 9 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह प्रोजेक्ट फिल्ममेकर आकाश ए. कौशिक का पहला डायरेक्टोरियल वेंचर है। 'उड़ता तीर' सारा और आयुष्मान के बीच एक और कोलेबोरेशन है।

'मुझे वफादारी पसंद', Ex हसबैंड मोहसिन ने दिखाई रिसेप्शन की झलक

बॉलीवुड अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर प्यार और वफादारी को लेकर एक क्रिप्टिक संदेश साझा किया है। यह पोस्ट उनके पूर्व पति मोहसिन अख्तर द्वारा जून में आयोजित अपने दूसरी शादी के रिसेप्शन की नई तस्वीरें पोस्ट करने के बाद सामने आया है। तस्वीरों के साथ मोहसिन ने अपनी नई पत्नी निधा भट्ट के लिए एक प्यार भरा संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने निधा को केवल अपनी पत्नी ही नहीं, बल्कि अपना घर और सुकून भी बताया। मो सामने आई तस्वीरों में मोहसिन अख्तर गुलाबी रंग की शेरवानी में नजर आ रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी निधा भट्ट पीच रंग के परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। तस्वीरों को शेयर करते हुए मोहसिन ने एक बेहद भावुक कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, 'तुम सिर्फ मेरी पत्नी नहीं बनी हो, बल्कि मेरा घर, मेरा सुकून और मेरे हर दिन का सबसे पसंदीदा हिस्सा बन गई हो। मैं तुम्हें अपनी जिंदगी में लाने के लिए अल्लाह का शुक्रगुजार हूं और वादा करता हूं कि अपने सफर के हर दौर में तुम्हारा ख्याल रखूंगा, तुम्हारे साथ खड़ा रहूंगा और तुमसे प्यार करूंगा।' उन्होंने आगे लिखा, 'यह शुरुआत हमारे लिए, हमेशा के लिए और उस खूबसूरत जिंदगी के लिए है जिसे हम साथ मिलकर बनाने जा रहे हैं। मेरी बनने के लिए शुक्रिया, मेरा प्यार। तुम्हारे लिए हमेशा आभारी रहूंगा।' हसिन के इस पोस्ट के तुरंत बाद उर्मिला मातोंडकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, 'मुझे प्यार, वफादारी और समय जैसी कीमती चीजें पसंद हैं।' हालांकि उर्मिला की ओर से इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस पोस्ट को सीधे तौर पर मोहसिन की दूसरी शादी और उनकी तस्वीरों पर उर्मिला की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। मोहसिन ने इस साल जून के महीने में अपनी दूसरी शादी की घोषणा की थी। उस समय भी एक भावुक पोस्ट के ज़रिए उन्होंने अपनी जिंदगी में फिर से प्यार मिलने और नए अध्याय की शुरुआत के बारे में बात की थी।

अमिताभ बच्चन ने मां तेजी को जयंती पर किया याद, बताया प्रेरणा, हौसले और धैर्य की मिसाल

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बुधवार को अपनी मां तेजी बच्चन की जयंती पर उन्हें याद करते हुए अपने ब्लाग पर एक खास पोस्ट शेयर किया। उन्होंने अपनी मां को प्रेरणा, हौसले और सब्र की मिसाल बताया।

बुधवार सुबह अमिताभ ने सोशल मीडिया पर अपनी मां को याद करते हुए एक प्यारा सा नोट लिखा। उन्होंने लिखा, "12 अगस्त , मां का जन्म दिवस ! हमारी प्रेरणा, हमारा मनोबल !" साथ ही यह भी बताया कि उन्होंने आज मां जयंती पर सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीर क्यों नहीं लगाई।

उन्होंने लिखा, "तस्वीर नहीं लगाएंगे। क्यूंकि जिनकी छवि हृदय में सदा रही हो, उसे यहां कैसे अंकित किया जा सकता है।"

नयनतारा ने की 'टॉक्सिक' की निर्देशक गीतू मोहनदास की जमकर तारीफ, बोलीं- 'वह हर कलाकार को अपना बना लेती हैं'

साउथ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में कन्नड़ सुपरस्टार यश मुख्य भूमिका में हैं, जबकि नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। फिल्म को लेकर चर्चा सिर्फ इसकी स्टारकास्ट और कहानी की वजह से नहीं है, बल्कि निर्देशक गीतू मोहनदास के काम करने के तरीके ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। अब फिल्म की अभिनेत्री नयनतारा ने गीतू की तारीफ की है। हाल ही में 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में नयनतारा ने गीतू मोहनदास के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा, ''अब तक सभी लोग गीतू की एक निर्देशक के तौर पर खूब तारीफ कर चुके हैं, लेकिन मैं उनके व्यक्तित्व के उस पहलू के बारे में बात करना चाहती हूं, जो शायद पर्दे के पीछे नजर आता है। गीतू सिर्फ कलाकारों से उनका काम नहीं करवातीं, बल्कि उनकी भावनाओं को समझती हैं और मुश्किल समय में उनके साथ

खड़ी भी रहती हैं।'' अभिनेत्री ने आगे कहा, ''फिल्म की शूटिंग के दौरान कलाकारों को कई तरह की परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। किसी के लिए दिन अच्छा रहा तो किसी को मुश्किल सीन का सामना करना पड़ा। ऐसे समय में गीतू ने निर्देशक होने के साथ-साथ एक मजबूत सहारे की भूमिका भी निभाई। वह हर स्थिति में उनके साथ मौजूद रहीं। यही चीज गीतू को एक अलग तरह की निर्देशक बनाती है। वह अपने कलाकारों को केवल फिल्म का हिस्सा नहीं मानतीं, बल्कि उनके साथ एक भावनात्मक जुड़ाव भी बनाती हैं।''

इस दौरान नयनतारा ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक भावुक किस्सा भी सुनाया। उन्होंने बताया, ''एक बार शूटिंग के दौरान गीतू एक कलाकार को लेकर काफी भावुक हो गई थीं। वह अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाईं। इसके बाद वह उस कलाकार के साथ कुछ देर तक रहीं, ताकि उसे अकेला न महसूस हो।''

उन्होंने आगे बताया कि जब गीतू से वापस आईं, तो हमने उनसे पूछा कि आखिर वहां क्या हुआ था। मुझे लगा कि शायद गीतू ने भावनाओं में आकर कुछ ऐसा कह दिया होगा, जो उन्हें नहीं कहना चाहिए था। मैंने उनसे पूछा, 'क्या हुआ? क्या आपने अपना आपा खो दिया? क्या आपने कुछ ऐसा कह दिया जो आपको नहीं कहना चाहिए था?' लेकिन गीतू ने बेहद सहजता से कहा, 'नहीं, मैंने बस प्यार दिया।''

नयनतारा ने कहा कि गीतू जिस भी कलाकार के साथ काम करती हैं, उसके साथ एक खास रिश्ता बना लेती हैं। बता दें कि 'टॉक्सिक' का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और इसकी कहानी यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखी है। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग कन्नड़ और अंग्रेजी में की गई है और इसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम समेत कई भाषाओं में डब किया गया है। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

शोल्डर सर्जरी के बाद Jr NTR ने शेयर किया हेल्थ अपडेट, रिकवरी में लगेंगे 2-3 महीने

जुलाई के आखिर में कंधे में चोट लगने के बाद बुधवार को हैदराबाद में एक्टर जूनियर एनटीआर की आर्थोस्कोपिक शोल्डर सर्जरी हुई। यह सर्जरी KIMS हॉस्पिटल्स सिकंदराबाद में ऑर्थोपेडिक सर्जन्स की एक टीम ने की, जिसमें डॉ. आर.ए. पंचरंद्र तेजस्वी, डॉ. नितिन बेज्जंकी, डॉ. मधुसूदन राव और डॉ. श्रीनिवास राव सुपरानेनी शामिल थे। डॉक्टर ने कन्फर्म किया कि सर्जरी ठीक से हो गई है और एक्टर अब मेडिकल देखरेख में रिकवर हो रहे हैं। साउथ एक्टर जूनियर एनटीआर ने सर्जरी सफल होने के बाद अपने फैंस और शुभचिंतकों के लिए एक छोटा सा नोट लिखा है। साथ ही एनटीआर ने अपनी हेल्थ अपडेट भी दी। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक्टर जूनियर एनटीआर ने लिखा, 'आप सभी के प्यार और दुआओं से मैं अभिभूत हूं। सर्जरी सफल रही और मैं ठीक हूं। मेरे दोस्तों, परिवार और फैंस, आपका सपोर्ट मुझे हर दिन हिम्मत देता है। जल्द ही मिलते हैं!' इस पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए, प्रशांत नील ने लिखा, 'यह सुनकर खुशी हुई कि सर्जरी अच्छी रही, तारक। ठीक होने के लिए जितना समय चाहिए, उतना लो। हमें साथ मिलकर बहुत कुछ बनाना है। जल्द ही सेट पर मिलते हैं।' इसके अलावा, अस्पताल ने जूनियर एनटीआर की सेहत के बारे में एक आधिकारिक बुलेटिन भी जारी किया है। डॉक्टरों ने एक्टर को ठीक होने के लिए 2-3 महीने का समय लेने की सलाह दी है। पहले आई खबरों के अनुसार शूटिंग के दौरान एक्टर को मामूली चोटें आई थीं और उन्हें 6-8 हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई थी। अब चोट लगने के बाद एक्टर की सर्जरी हुई है और वे अभी ठीक हो रहे हैं। ऋतिक रोशन के साथ 'वॉर 2' में नजर आने के बाद जूनियर एनटीआर अब एक्शन-एंटरटेनर फिल्म 'ड्रैगन' में लीड रोल में दिखेंगे। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म की एक झलक हाल ही में दिखाई गई, जिसमें जूनियर एनटीआर 'लूगर' के रोल में हैं। लूगर एक ऐसा अपराधी है जो नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले सिंडिकेट से जुड़ा है और अधिकारियों की बड़ी कार्रवाई का सामना करने की तैयारी कर रहा है। फिल्म में रुक्मिणी वसंत फीमेल लीड रोल में हैं। साथ ही अनिल कपूर, बीजू मेनन और सिद्धांत गुप्ता जैसे कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। प्रशांत नील के डायरेक्शन में बन रही इस एक्शन फिल्म के 11 जून 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। अभिनेता जूनियर एनटीआर की कंधे की आर्थोस्कोपिक सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। जुलाई के आखिर में कंधे में चोट लगने के बाद बुधवार को हैदराबाद के सिकंदराबाद स्थित अस्पताल में उनकी सर्जरी की गई। चिकित्सकों की टीम ने प्रक्रिया पूरी होने के बाद बताया कि सर्जरी सफल रही है और अभिनेता फिलहाल चिकित्सकीय निगरानी में हैं। उनके स्वास्थ्य में सुधार की प्रक्रिया शुरू हो गई है और चिकित्सकों की सलाह के अनुसार उन्हें पर्याप्त आराम करना होगा। सर्जरी के बाद जूनियर एनटीआर ने अपने प्रशंसकों और शुभचिंतकों के लिए संदेश साझा करते हुए उनका आभार जताया। उन्होंने बताया कि सर्जरी सफल रही और वह ठीक हैं। अभिनेता ने कहा कि परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों से मिलने वाला समर्थन उन्हें लगातार हिम्मत देता है। उन्होंने जल्द ही सभी से मिलने की उम्मीद भी जताई। जूनियर एनटीआर की स्वास्थ्य जानकारी सामने आने के बाद उनके प्रशंसकों के बीच राहत का माहौल है। अभिनेता की चोट और सर्जरी को लेकर पिछले कुछ समय से उनके प्रशंसक लगातार चिंतित थे। अब सर्जरी सफल होने की जानकारी मिलने के बाद प्रशंसकों ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। अभिनेता के संदेश पर फिल्म निर्देशक प्रशांत नील ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सर्जरी सफल होने पर खुशी जताते हुए जूनियर एनटीआर को पूरी तरह स्वस्थ होने के लिए पर्याप्त समय लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दोनों को भविष्य में मिलकर कई महत्वपूर्ण काम करने हैं और जल्द ही फिर से फिल्म के सेट पर मिलने की उम्मीद है। अस्पताल की ओर से भी अभिनेता के स्वास्थ्य को लेकर आधिकारिक जानकारी जारी की गई है। चिकित्सकों ने उन्हें पूरी तरह ठीक होने के लिए दो से तीन महीने का समय लेने की सलाह दी है। इससे संकेत मिलता है कि अभिनेता को फिलहाल शूटिंग और अन्य शारीरिक गतिविधियों से दूरी बनाए रखनी होगी। कंधे की सर्जरी के बाद शरीर को पर्याप्त आराम और पुनर्वास की आवश्यकता होती है, इसलिए चिकित्सकीय सलाह के अनुसार धीरे-धीरे सामान्य गतिविधियों की ओर लौटना महत्वपूर्ण होगा। इससे पहले सामने आई जानकारी के अनुसार, शूटिंग के दौरान जूनियर एनटीआर को कंधे में चोट लगी थी। शुरुआत में उन्हें कई सप्ताह आराम करने की सलाह दी गई थी, लेकिन बाद में चिकित्सकीय जांच के आधार पर सर्जरी का निर्णय लिया गया। अब सर्जरी के बाद उनके स्वास्थ्य पर चिकित्सकों की निगरानी बनी हुई है। जूनियर एनटीआर के लिए आने वाला समय फिल्मों के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण है। वह हाल ही में ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'वॉर 2' में नजर आए थे। इसके बाद अब उनकी अगली बड़ी परियोजनाओं में निर्देशक प्रशांत नील की एक्शन फिल्म 'ड्रैगन' शामिल है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता बनी हुई है।

जिस फिल्म ने श्रीदेवी को बनाया स्टार, उसी को मानती थीं बदकिस्मत, फिर बनीं पहली महिला सुपरस्टार

हिंदी सिनेमा की दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी पर्दे पर कभी चुलबुली दिखीं, कभी गंभीर और कभी ऐसी भूमिका में नजर आईं, जिसे देखकर दर्शक हैरान रह गए। उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों से शुरुआत की और फिर हिंदी सिनेमा में अपनी अलग जगह बनाई। लेकिन, उनके करियर का एक दिलचस्प सच यह भी था कि जिस फिल्म ने उन्हें बॉलीवुड में बड़ा स्टार बना दिया, उसी की सफलता को वह अपने लिए पूरी तरह अच्छा नहीं मानती थीं। यह बात 'श्रीदेवीः क्वीन ऑफ हार्ट्स' नामक किताब में दर्ज है। श्रीदेवी का जन्म 13 अगस्त 1963 को तमिलनाडु के शिवकाशी में हुआ था। उनका असली नाम श्री अम्मा यंगर अय्यपन था। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में फिल्मों में काम शुरू कर दिया था। वह करीब चार साल की उम्र में बाल कलाकार के रूप में दक्षिण भारतीय सिनेमा में नजर आईं। तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ फिल्मों में काम करते हुए उन्होंने बचपन में ही अपनी पहचान बना ली थी। उन्हें मलयालम फिल्म 'पूमपट्टा' में अभिनय के लिए केरल राज्य फिल्म पुरस्कार भी मिला। बड़ी होने के बाद भी श्रीदेवी ने दक्षिण भारतीय सिनेमा में लगातार काम किया। 1976 की तमिल फिल्म 'मूंद्रु मुदिचु' में उन्होंने रजनीकांत और कमल हासन जैसे कलाकारों के साथ काम किया। इसके बाद '16 वैयाथिनिले', 'सिगप्पु रोजक्कल' और 'मूंद्रम पिराई' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण की बड़ी अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया।

'आप गुफा में रहने लगेंगी', अश्लील कंटेंट हटाने की जाह्नवी कपूर की मांग पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के नाम, तस्वीर और पहचान का गलत इस्तेमाल करने के मामले में एक महत्वपूर्ण आदेश दिया है। अदालत ने इंटरनेट पर मौजूद जाह्नवी से जुड़ी किसी भी अश्लील या आपत्तिजनक सामग्री को तुरंत हटाने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने उनके फैन पेजों और बिना अनुमति बने अन्य कंटेंट पर पूरी तरह से रोक लगाने या बैन करने की मांग को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने साफ किया कि व्यक्तिगत अधिकारों का दायरा इस तरह नहीं बढ़ाया जा सकता कि उससे लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगे, खासकर तब जब मामला सेलिब्रिटीज से जुड़ा हो। 'बार एंड बेंच' की रिपोर्ट के अनुसार जस्टिस अनूप जयराम भंभानी जाह्नवी कपूर द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें उन्होंने अपनी पर्सनालिटी राइट्स को बिना अनुमति व्यावसायिक इस्तेमाल से बचाने की गुहार लगाई थी। अभिनेत्री ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और 5000 से अधिक वेबपेजों/पोस्टों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी, जहां उनकी तस्वीरों का इस्तेमाल व्यावसायिक लाभ के लिए किया जा रहा था। कोर्ट ने माना कि जाह्नवी आपत्तिजनक/अश्लील कंटेंट से सुरक्षा पाने की हकदार हैं, लेकिन जज ने याचिकाकर्ता के वकीलों से कहा कि वे उन कंटेंट को लेकर अधिक स्पष्ट रहें जिन पर तुरंत राहत चाहिए। इसके लिए अदालत ने उन्हें एक सटीक टेबल तैयार करने का निर्देश दिया, जिसमें केवल उन वेबपेजों की सूची हो जिन पर अश्लील या बेहद आपत्तिजनक सामग्री मौजूद है। अदालत ने बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी की उस मांग को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें फैन पेजों को हटाने की बात कही गई थी। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इंटरनेट पर फैन साइट्स के कई रूप हो सकते हैं, कुछ पेज किसी कलाकार के काम की तारीफ कर सकते हैं तो कुछ उसकी आलोचना भी कर सकते हैं। यह स्वतंत्रता का वह हिस्सा है जो लोगों को इंटरनेट पर मिलता है। जस्टिस भंभानी ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'हम देश के नैतिक रक्षक नहीं हैं। समस्या से निपटने का यह तरीका खुद समस्या से भी ज्यादा बदतर हो सकता है।'

सार समाचार

काला सागर में रूसी नौसेना के अहम ठिकानों पर यूक्रेन का हमला, ड्रोन और 'नेपच्यून' मिसाइलों से की कार्रवाई

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने काला सागर में रूसी नौसेना के अहम ठिकाने पर हमले का दावा किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी ड्रोन, मिसाइलों और मानवरहित नौसैनिक प्रणालियों से रूस के नोवोरोसिस्क स्थित नौसैनिक अड्डे और बंदरगाह के अहम बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''मंगलवार रात यूक्रेन की रक्षा सेनाओं ने नोवोरोसिस्क स्थित नौसैनिक अड्डे पर एक विशेष अभियान चलाया। यह काला सागर में रूसी नौसेना का आखिरी बड़ा प्रमुख ठिकाना माना जाता है और यह मोर्चे से 300 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित है।'' उन्होंने कहा कि हमारे जेट इंजन से लैस 'पालियानित्सिया ड्रोन', 'नेप्च्यून' मिसाइलों और मानवरहित नौसैनिक प्रणालियों ने निर्धारित लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक हमला किया। वायु रक्षा (एयर डिफेंस) ठिकानों, घाटों (पियर्स) और बंदरगाह के बुनियादी ढांचे पर हमले की पुष्टि हुई है। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं यूक्रेन के सशस्त्र बलों, यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) और हमारी खुफिया एजेंसियों के जवानों को उनकी सटीक कार्रवाई और सफल परिणामों के लिए धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि जब तक रूस का आक्रमण जारी रहेगा, तब तक रूसी नौसेना और उसे समर्थन देने वाला कोई भी बुनियादी ढांचा सुरक्षित नहीं रहेगा। इस युद्ध को रुकना चाहिए और कूटनीतिक समाधान के लिए सभी उचित प्रस्ताव बातचीत की मेज पर मौजूद हैं। इससे पहले यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने भी लंबी दूरी के लक्ष्यों पर निशाना साधते हुए रूस के अहम ठिकानों को तबाह करने का दावा किया।

ब्रिटेन में भीषण गर्मी का कहर: 38 डिग्री तक पहुंचेगा तापमान, सरकार ने बुलाई आपात बैठक

लंदन। ब्रिटेन इस समय भीषण गर्मी, सूखे और जंगलों में बढ़ती आग की तिहरी चुनौती से जूझ रहा है। मौसम विभाग ने कई इलाकों के लिए 'एक्सट्रीम हीट' की चेतावनी जारी की है। आने वाले दिनों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने बुधवार को सरकार की आपातकालीन समिति कोबरा की बैठक बुलाई है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिणी और पूर्वी इंग्लैंड तथा मिडलैंड्स के कुछ हिस्सों में गर्मी सबसे ज्यादा परेशान कर सकती है। इंग्लैंड के कई हिस्सों में पहले से ही एम्बर हीट-हेल्थ अलर्ट लागू है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों, खासकर बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील लोगों से गर्मी के दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की अपील की है। सरकार ने अग्निशमन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए 9.7 करोड़ पाउंड की अतिरिक्त सहायता का भी ऐलान किया है।

अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती की मांग को लेकर नेपाली युवाओं की रैली

काठमांडू। नेपाल के पश्चिमी शहर पोखरा में बुधवार को नेपाली युवाओं और भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के परिवारों ने रैली निकालकर मांग की कि नेपाली युवाओं को भारतीय सेना की अग्निवीर योजना के तहत अग्निवीर के रूप में भर्ती होने की अनुमति दी जाए। भारतीय सेना में गोरखा भर्ती वर्ष 2019 से रुकी हुई है। शुरुआत में यह प्रक्रिया कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित हुई थी। इसके बाद भारत द्वारा 2022 में अग्निवीर योजना शुरू किए जाने के बाद नेपाल ने नेपाली युवाओं की भर्ती पर रोक लगा दी। अग्निवीर योजना के तहत भर्ती होने वाले जवानों में से अधिकतम 25 प्रतिशत को चार वर्ष की सेवा के बाद स्थायी नियुक्ति दी जाती है। बाकी 75 प्रतिशत जवानों को एकमुश्त राशि देकर सेवा से मुक्त कर दिया जाता है और उन्हें पेंशन या अन्य दीर्घकालिक सेवा लाभ नहीं मिलते। नेपाल सरकार का तर्क है कि यह योजना भारत, नेपाल और ब्रिटेन के बीच 1947 में हुए त्रिपक्षीय समझौते के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है, इसलिए नेपाली युवाओं की भारतीय सेना में भर्ती रोक दी गई। नेपाल में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण अब भी कई युवा अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में शामिल होने के इच्छुक हैं। हालांकि, नेपाल सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने की अनुमति नहीं दी है। इसी मांग को लेकर नेपाली युवाओं के एक समूह ने पश्चिमी नेपाल के प्रमुख पर्यटन शहर पोखरा में रैली निकाली और सरकार से अपना रुख बदलकर अग्निवीर योजना के तहत भर्ती की अनुमति देने की मांग की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा, होर्मुज स्ट्रेट पर हमारा पूरा नियंत्रण

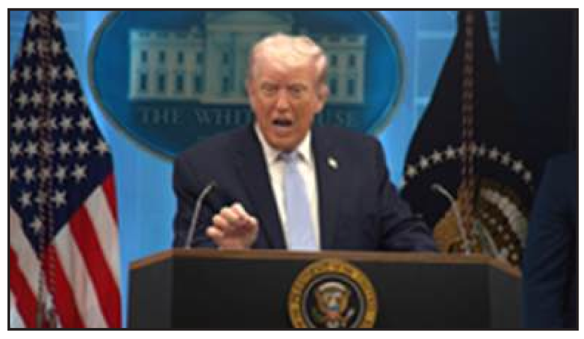

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अमेरिका का 'पूरा नियंत्रण' है। उन्होंने संकेत दिया है कि वॉशिंगटन इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी पकड़ बनाए रखना चाहता है। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, "होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का पूरा कंट्रोल है। मुझे लगता है कि हम इसे बनाए रखेंगे।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने नौसैनिक घेराबंदी का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान इसे चुनौती देने के लिए कुछ नहीं कर सकता। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मुताबिक, "हर कोई हमारी नौसैनिक घेराबंदी को 'स्टील की दीवार' कह रहा है और ईरान इसके बारे में कुछ नहीं कर सकता।" अमेरिकी राष्ट्रपति ने नाकेबंदी के बारे में ऑपरेशन से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि अमेरिका कितने समय तक होर्मुज स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण बनाए रखना चाहता है, और न ही उन शर्तों का जिक्र किया, जिनके तहत यह ऑपरेशन खत्म हो सकता है। ट्रंप ने इस पोस्ट का इस्तेमाल ईरान की सेना और राजनीतिक व्यवस्था को बुरी तरह कमजोर दिखाने के नजरिए से किया। उन्होंने दावा किया कि देश ने अमेरिकी कार्रवाइयों का असरदार जवाब देने की अपनी क्षमता खो दी है। उन्होंने कहा, "उनके पास न तो नौसेना है, न ही वायुसेना। उनके बचे हुए सैनिकों को वेतन नहीं मिल रहा है। आईआरजीसी बर्बाद हो चुकी है और भाग रही है। उनकी 'लीडरशिप' की स्थिति भी बहुत अनिश्चित है।" राष्ट्रपति ने पोस्ट में उन दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। उन्होंने उन ईरानी नेताओं का नाम भी नहीं बताया, जिनकी स्थिति को उन्होंने अनिश्चित बताया था। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने ईरान की बिगड़ती हालत के संकेत के तौर पर फंड की कमी और तेजी से बढ़ती कीमतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, "उनके पास पैसे नहीं हैं। उनका देश बर्बाद हो चुका है। उनके पास सिर्फ फेक न्यूज और 300 प्रतिशत महंगाई है, और हालात और खराब होते जा रहे हैं।"

ब्रिटेन और यूरोप में दिखा करीब 30 साल का सबसे शानदार सूर्य ग्रहण

लंदन/मैड्रिड। ब्रिटेन और यूरोप के महाद्वीप में लोगों ने बीते करीब 30 वर्षों का सबसे शानदार सूर्य ग्रहण देखा। 12 अगस्त 2026 को लगे इस खगोलीय नजारे को देखने के लिए विभिन्न देशों में हजारों लोग एकत्रित हुए। सूर्य ग्रहण का असर यूरोप के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग रूप में देखने को मिला:

ब्रिटेन में 90% से अधिक ग्रहण: ब्रिटेन में लोगों को आंशिक सूर्य ग्रहण देखने का अवसर मिला, जो स्थानीय समयानुसार शाम 7 बजे के बाद अपने चरम पर पहुंचा। इस दौरान चंद्रमा ने सूर्य के 90 प्रतिशत से अधिक हिस्से को ढक लिया था।

दिन में छाया अंधेरा: स्पेन (विशेष रूप से उत्तरी स्पेन के रेनोसा), आइसलैंड और ग्रीनलैंड के कुछ हिस्सों में पूर्ण सूर्य ग्रहण दिखाई दिया, जिससे कुछ समय के लिए दिन में ही पूरी तरह अंधेरा छा गया।

जर्मनी व नीदरलैंड्स: जर्मनी के हर्टेन शहर में 50 सालों के सबसे बेहतरीन आंशिक ग्रहण को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए, वहीं नीदरलैंड्स के एस्टेन से भी आंशिक ग्रहण का सुंदर दृश्य देखा गया।

एडिनबरा व स्पेन: स्कॉटलैंड के एडिनबरा में कैल्टन हिल पर लोगों का हुजूम उमड़ा। स्पेन में ट्रेनिंग कैंप के दौरान आर्सेनल महिला टीम की खिलाड़ी जेराल्डिन रॉयटेलर समेत कई खेल हस्तियों ने भी इस अद्भुत खगोलीय घटना का आनंद लिया।

विशेषज्ञों के अनुसार, ब्रिटेन में इससे बेहतर पूर्ण सूर्य ग्रहण देखने के लिए अब लोगों को दशकों का इंतजार करना होगा। लंदन में ग्रहण अपने चरम पर शाम करीब 7 बजकर 13 मिनट पर पहुंचा। इस दौरान सूर्य का केवल एक छोटा हिस्सा दिखाई दे रहा था, जिससे दिन के उजाले में भी वातावरण असामान्य रूप से मंद नजर आया।

डोनाल्ड ट्रंप ने किया खुलासा, हां, मेरी जान को खतरा था, इसी वजह से तुर्की में मेरा विमान बदला गया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को बड़ा खुलासा किया और पुष्टि की कि तुर्की में हाल ही में हुए एक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के दौरान 'खतरे' की वजह से उन्होंने एयर फ़ोर्स वन के बजाय दूसरे विमान का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि वह वही करते हैं जिसकी सलाह उन्हें सीक्रेट सर्विस और सेना देती है। ट्रंप ने ये खुलासा तब किया है, जब एक दिन पहले ऐसी खबरें आई थीं कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने कतर से मिले बोइंग 747-8 विमान को छोड़कर पुराने एयर फ़ोर्स वन का इस्तेमाल किया और फिर चुपके से एक छोटे C-32A विमान में चले गए। बता दें कि पिछले महीने खबर आई थी कि ट्रंप को ईरान से मिल रही धमकी और खतरे की वजह से ट्रंप को कतर से मिले जेट की जगह पुराने बोइंग विमान का इस्तेमाल करना पड़ा था। हालांकि, वॉशिंगटन पोस्ट ने अपने रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर विमान बदला था, उन्हें पुराने एयर फ़ोर्स वन से चुपके से एक कैटरिंग कंटेनर में निकालकर छोटे C-32A विमान में ले जाया गया था। प्रकाशित रिपोर्ट में विमान बदलने के बारे में व्हाइट हाउस या ट्रंप की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, लेकिन अब अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि हां, मेरा विमान बदला गया था। ओहायो से लौटने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "मैं सीक्रेट सर्विस और सेना की बात मानता हूं। वे चाहते थे कि मैं किसी दूसरी फ़्लाइट या दूसरे विमान से जाऊं... मैं वही करता हूं जो वे कहते हैं... मुझे लगता है कि कोई खतरा था। मैंने इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं पूछा। मुझे अक्सर धमकियां मिलती रहती हैं।" ट्रंप ने आगे कहा कि मुझे कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ता है जिनके बारे में जनता को पता नहीं है। उन्होंने कहा कि किसी भी "अहम राष्ट्रपति को कई खतरों का सामना करना पड़ता है। जो राष्ट्रपति बहुत अहम नहीं होते, उन्हें धमकियां नहीं मिलतीं, और मुझे लगता है कि शायद मैं सबसे अहम राष्ट्रपति हूं।"

फिलीपींस में बाढ़ के बाद संक्रमण रोग का खतरा बढ़ा, स्वास्थ्य अधिकारियों ने जारी किया अलर्ट

मनीला। उत्तरी फिलीपींस में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के बाद स्वास्थ्य अधिकारियों ने जलजनित और बारिश के मौसम में फैलने वाली बीमारियों को लेकर अलर्ट जारी किया है। इलोकोस क्षेत्र में दक्षिण-पश्चिमी मानसून के कारण लगातार बारिश और बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इलोकोस क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र ने लोगों से बाढ़ के बीच स्वास्थ्य को लेकर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। स्वास्थ्य विभाग (डीओएच) की इलोकोस क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हेलेन डी. टोबियास ने लोगों को लेप्टोस्पायरोसिस, डेंगू और अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए सतर्क रहने को कहा है। उन्होंने बताया कि बाढ़ का पानी जानवरों के मूत्र से दूषित होने पर लेप्टोस्पायरोसिस संक्रमण का कारण बन सकता है। बाढ़ के पानी में उतरने वाले लोगों को शरीर के संपर्क में आए हिस्सों को साबुन और साफ पानी से अच्छी तरह धोने तथा किसी तरह के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है। बारिश और बाढ़ के बीच फिलीपींस के बिजली क्षेत्र पर भी दबाव बढ़ गया है। बुधवार को देश के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में बिजली ग्रिड के लिए रेड और येलो अलर्ट जारी किए गए। कई बिजली संयंत्रों के बंद रहने के कारण उपलब्ध बिजली क्षमता और मांग के बीच अंतर बढ़ गया है। मध्य फिलीपींस के विसायस द्वीप समूह में बिजली आपूर्ति की स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। कई कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के बंद रहने से उपलब्ध क्षमता घट गई है। दक्षिणी फिलीपींस के मिंडानाओ क्षेत्र में भी बिजली आपूर्ति पर दबाव है।

व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट का इस्तीफा : परिवार को प्राथमिकता देने के लिए छोड़ेंगी पद

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट (Karoline Leavitt) इस महीने के अंत में अपने पद से इस्तीफा दे देंगी। 28 वर्षीय लेविट व्हाइट हाउस इतिहास की सबसे कम उम्र की प्रेस सचिव हैं। कैरोलिन लेविट ने अपने इस्तीफे का मुख्य कारण परिवार और बच्चों की देखभाल को बताया है:

परिवार को समय: मई 2026 में दूसरी संतान (बेटी) को जन्म देने और मातृत्व अवकाश से लौटने के बाद, उन्होंने महसूस किया कि वे अपने दो छोटे बच्चों (दो साल का बेटा और नवजात बेटी) को पर्याप्त समय, ऊर्जा और ध्यान नहीं दे पा रही हैं।

चुनौतीपूर्ण भूमिका: लेविट के अनुसार, दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण नौकरियों में से एक को संभालते हुए एक अच्छी मां बने रहना बेहद कठिन हो रहा था, जिसके चलते उन्होंने यह निर्णय लिया।

डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया: राष्ट्रपति ट्रंप ने लेविट को अपना "सबसे भरोसेमंद सहयोगी" बताया और कहा कि वे उनके फैसले का पूरा सम्मान करते हैं। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि पद छोड़ने के बाद भी लेविट उनकी शीर्ष बाहरी सलाहकार और रिपब्लिकन पार्टी की एक प्रभावशाली नेता बनी रहेंगी।

लेविट का संदेश: लेविट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (X) पर लिखा कि व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में काम करना उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान और रोमांच रहा है। फिलहाल व्हाइट हाउस की ओर से यह घोषणा नहीं की गई है कि लेविट के बाद प्रेस सचिव का पद कौन संभालेगा। लेविट के अनुसार, एक ओर दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण राजनीतिक जिम्मेदारियों में से एक को निभाना और दूसरी ओर एक अच्छी मां की भूमिका को पूरी तरह निभाना उनके लिए कठिन हो रहा था। इसी व्यक्तिगत परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। उनका निर्णय ऐसे समय में सामने आया है जब वह ट्रंप प्रशासन की प्रमुख सार्वजनिक आवाज के रूप में लगातार सक्रिय रही हैं। व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के तौर पर लेविट की भूमिका काफी महत्वपूर्ण रही है। वह नियमित रूप से मीडिया के सामने प्रशासन की नीतियों और राष्ट्रपति ट्रंप के फैसलों को लेकर सरकार का पक्ष रखती रही हैं। ट्रंप प्रशासन की ओर से लिए गए कई महत्वपूर्ण फैसलों पर उन्होंने पत्रकारों के सवालों का जवाब दिया और राष्ट्रपति की नीतियों का मजबूती से बचाव किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लेविट के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें अपना सबसे भरोसेमंद सहयोगी बताया है।

जापान की सैन्य नीति पर भड़का उत्तर कोरिया, बोला- 'युद्ध मशीन' को मजबूत करने का बहाना

सोल। उत्तर कोरिया ने जापान की नई रक्षा श्वेत पत्र को लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है। प्योंगयांग ने आरोप लगाया है कि जापान पड़ोसी देशों से खतरे का हवाला देकर अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और क्षेत्र में सैन्यीकरण को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया में प्रकाशित एक लेख के हवाले से योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक कांग वोन-चोल ने जापान पर दोबारा सैन्य शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जापान ने उत्तर कोरिया को ''गंभीर और मौजूद खतरा'' बताकर अपने सैन्य विस्तार को उचित ठहराने की कोशिश की है। प्योंगयांग ने जापान के रक्षा मंत्री शिंजीरो कोइजुमी के उस आह्वान को भी निशाना बनाया, जिसमें उन्होंने रक्षा श्वेत पत्र जारी होने के बाद जापान की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की जरूरत बताई थी। उत्तर कोरिया ने इसे क्षेत्रीय शांति के लिए खतरा बताया। जापान के मौजूदा प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची सरकार के तहत पिछले सप्ताह अपना पहला रक्षा श्वेत पत्र जारी किया था। इसमें ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल सहित सैन्य आधुनिकीकरण और सहयोगी देशों के साथ सुरक्षा सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि उत्तर कोरिया की आलोचना के साथ-साथ प्योंगयांग ने अपने सैन्य विस्तार को भी सही ठहराने की कोशिश की। उसके अनुसार, दूसरे देशों की कथित शत्रुतापूर्ण नीतियों से निपटने और उन्हें रोकने के लिए अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना जरूरी है।

बलूचिस्तान के सुराब में पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक ने ली 30 से ज्यादा बेगुनाहों की जान

क्वेटा। बलूचिस्तान के सुराब जिले पर बुधवार को पाकिस्तानी सेना ने हवाई हमला किया। इस एयरस्ट्राइक में महिलाओं और बच्चों समेत 30 से ज्यादा बेगुनाह मारे गए जबकि कई घायल हो गए।बलूच कार्यकर्ताओं और मानवाधिकार समूहों ने इसकी कड़े शब्दों में निंदा की है। स्थानीय रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए, मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच ने कहा कि पाकिस्तानी एयर फोर्स ने सुराब के गिदर इलाके में आम लोगों के इलाकों पर "जबरदस्त बमबारी" की, जिसमें आम लोग मारे गए और उनकी संपत्तियों को काफी नुकसान पहुंचा। मीर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, "इन रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहां बम बरसाए गए वहां के अस्पतालों को सेना ने घेर रखा है। ये लोग चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफ को डरा-धमका कर पीड़ितों का इलाज करने से रोक रहे हैं। रिपोर्ट्स से यह भी पता चला है कि कुछ लोगों की मौत समय पर इलाज न मिल पाने की वजह से हुई। लोगों ने यह भी बताया है कि ड्रोन और कोबरा गनशिप हेलीकॉप्टर इलाके के आसमान में लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं।" हमले की निंदा करते हुए, बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) की नेता सबिहा बलूच ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि पाकिस्तान कैसे बेगुनाह बलूचों (जिसमें बच्चे भी शामिल हैं) की हत्या कर अपने होने का एहसास कराता है। सबिहा ने इसे "नरसंहार" बताया। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सबिहा ने कहा, "वो इलाका पाकिस्तानी सेना से घिरा हुआ है। बचाव टीम, मेडिकल स्टाफ, एम्बुलेंस और पत्रकारों के आने-जाने पर पाबंदी लगा दी गई है।"

खेल समाचार

इब्राहिम जादरान ने ODI में किया बड़ा कारनामा, जहीर अब्बास और पीटरसन जैसे दिग्गजों की बराबरी की

अफगानिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान ने आयरलैंड के खिलाफ बल्ले से ऐसा कमाल किया, जिसने उन्हें क्रिकेट के इतिहास में खास मुकाम पर पहुंचा दिया। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए चौथे ODI में जादरान ने शानदार शतक जड़ते हुए न सिर्फ टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया, बल्कि 2000 ODI रन पूरे करने के मामले में पाकिस्तान के बाबर आजम जैसे दिग्गजों की बराबरी भी कर ली। जादरान ने 118 गेंदों पर 107 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। यह उनका ODI क्रिकेट में सातवां शतक है। इस सेंचुरी के साथ ही 24 साल के जादरान ने अपने 45वें ODI की 45वीं पारी में 2000 रन का आंकड़ा छू लिया। इसके साथ ही वह ODI में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इस मामले में उनसे आगे सिर्फ भारत के शुभमन गिल और साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला हैं। गिल ने महज 38 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे, जबकि अमला ने 40 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। जादरान ने 45 पारियों में यह आंकड़ा छुआ और इस मामले में बाबर आजम, जहीर अब्बास, केविन पीटरसन और रासी वैन डर डुसेन की बराबरी की।

ODI क्रिकेट में सबसे तेज 2000 रन (पारी के हिसाब से)

शुभमन गिल (भारत) - 38 पारियां

हाशिम अमला (साउथ अफ्रीका) - 40 पारियां

जहीर अब्बास (पाकिस्तान) - 45 पारियां

केविन पीटरसन (इंग्लैंड) - 45 पारियां

बाबर आजम (पाकिस्तान) - 45 पारियां

रासी वैन डेर डुसेन (साउथ अफ्रीका) - 45 पारियां

इब्राहिम जादरान (अफगानिस्तान) - 45 पारियां

इस मुकाबले में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 343 रन बनाए। टीम की इस बड़ी पारी की नींव सेदिकुल्लाह अटल और इब्राहिम जादरान ने रखी। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 231 रनों की जबरदस्त साझेदारी की। अटल ने महज 120 गेंदों पर 143 रन ठोक दिए। उनकी पारी में 17 चौके और चार छक्के शामिल रहे। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 344 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम 48 ओवर में 301 रन पर सिमट गई। एंड्रयू बालबर्नी ने 119 गेंदों पर 109 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। कर्टिस कैंफर ने भी 46 गेंदों पर 84 रन बनाकर मुकाबले में रोमांच पैदा किया। अफगानिस्तान की ओर से अजमतुल्लाह उमरजई ने चार विकेट लिए, जबकि राशिद खान ने तीन और उमरजई ने दो विकेट झटके। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली।

344 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की टीम ने मुकाबले में जोरदार संघर्ष किया, लेकिन निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। टीम 48 ओवर में 301 रन बनाकर ऑलआउट हो गई और अफगानिस्तान ने मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। आयरलैंड की ओर से एंड्रयू बालबर्नी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 119 गेंदों पर 109 रन की जुझारू पारी खेली।

'पाकिस्तानी बॉक्सर को थी नरेंद्र नाम से नफरत'- पीएम मोदी को भारतीय बॉक्सर ने सुनाया वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स का किस्सा

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में अपने घर पर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनकी जमकर तारीफ की। इस दौरान भारतीय मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल ने एक पाकिस्तानी खिलाड़ी से जुड़ा मजेदार किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर पीएम मोदी और बाकी खिलाड़ी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। ग्लास्गो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने कुल 39 मेडल (7 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज) जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। बॉक्सर नरेंद्र बेरवाल ने इस कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि पाकिस्तान की बात चल रही तो मुझे एक किस्सा याद आ गया सर। 2015 में वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स थे। मेरी पहली फाइट पाकिस्तानी बॉक्सर से थी। वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स थे तो अधिकारियों के फोन आए और बोला कि पाकिस्तान से नहीं हारना है। मैंने पहला राउंड 4-1 से जीता। दूसरा राउंड 3-2 से जीता लेकिन दोनों का सिर आपस में लग गया था। दोनों के कट लगा। हालांकि, मैं फाइट जीत गिया। फिर दोनों अस्पताल में टांके लगवाने गए। आप 2014 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। हमारे साथ जो आर्मी का कोच गया था, उसका नाम नरेंद्र राणा था। पाकिस्तानी बॉक्सर ने थोड़ी देर सोचकर बोला कि भाईजान एक बात बोलूं। मैंने कहा कि हां बोलो। उसने कहा कि भाईजान आपका नाम नरेंद्र है, आपके कोच का नाम नरेंद्र है, आपके प्रधानमंत्री का नाम नरेंद्र है। मुझे नरेंद्र नाम से नफरत हो गई है। ये किस्सा सुन पीएम मोदी भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए और खूब हंसे। उनके साथ वहां मौजूद बाकी खिलाड़ी भी हंसते हुए नजर आए। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के लिए बॉक्सिंग सबसे सफल खेल रहा, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 मेडल अपने नाम किए, जिनमें 7 गोल्ड मेडल शामिल थे। यह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में बॉक्सिंग में भारत का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन रहा। CWG में अकेले महिला मुक्केबाजों ने ही 5 गोल्ड अपने नाम किए। वहीं वेटलिफ्टिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम रखते हुए 8 पदक जीते, जिसमें मीराबाई चानू ने एक और गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

अफगानिस्तान के 2 बल्लेबाजों ने ठोके धमाकेदार शतक, एक ने लगाई सातवीं सेंचुरी

अफगानिस्तान के बल्लेबाज इस वक्त जबरदस्त खेल दिखा रहे हैं। अब एक ही वनडे मुकाबले में दो बल्लेबाजों ने शतक ठोक दिया है। अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान और सेदिकुल्लाह अटल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने अपने शतक पूरे किए। इससे आयरलैंड की टीम मैच में काफी पीछे चली गई है। अफगानिस्तान पहले ही सीरीज के दो मैच जीतकर अपनी लीड बना चुका है। इस वक्त अफगानिस्तान की टीम आयरलैंड के दौरे पर है, जहां पांच वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का पहला मैच भले ही बारिश के कारण रद हो गया हो, लेकिन इसके बाद जो दो मैच हुए, वो अफगानिस्तान ने जीतकर अपनी बादशाहत साबित कर दी है। अब सीरीज के चौथे मुकाबले में भी अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया है। सीरीज के चौथे मैच में जब अफगानिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी तो रहमानुल्ला गुरबाज केवल 12 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए। लेकिन इसके बाद दूसरे ओपनर इब्राहिम जादरान और तीसरे नंबर पर आए सेदिकुल्लाह अटल ने जबरदस्त बल्लेबाजी का मुजायरा पेश किया। इब्राहिम जादरान ने 118 बॉल पर 107 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और एक छक्का लगाया। अब अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में वे दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

नीरज चोपड़ा के साथ मुकाबले से पहले पाकिस्तानी अरशद नदीम ने टेके घुटने

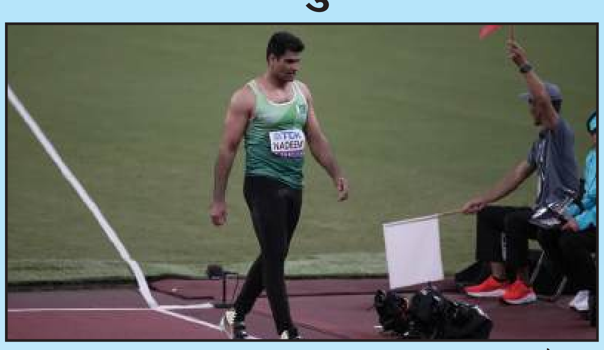

पाकिस्तान के ओलंपिक गोल्ड मेडल विजेता जैवलिन थ्रो एथलीट अरशद नदीम जिनका हाल में ग्लासगो में खत्म हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में काफी शर्मनाक प्रदर्शन देखने को मिला था उन्होंने अब लुसाने डायमंड लीग जो 21 अगस्त को होनी है उससे उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। अरशद नदीम के नाम वापस लिए जाने के साथ ही अब उनका सामना नीरज चोपड़ा के साथ नहीं होगा। अरशद नदीम के नाम वापस लिए जाने के पीछे की वजह जो बताई गई है उसमें वह साउथ अफ्रीका में विशेष प्रशिक्षण के जरिए इस साल होने वाली विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप और एशियाई गेम्स 2026 की तैयारियों के लिए अपना पूरा ध्यान केंद्रित करेंगे। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जैवलिन थ्रो के इवेंट में भारत के खाते में जहां दो मेडल आए जिसमें नीरज चोपड़ा ने सिल्वर पदक अपने नाम किया था तो वहीं पाकिस्तानी अरशद नदीम पूरी तरह से आउट ऑफ फॉर्म दिखा दिए थे। अरशद नदीम फाइनल इवेंट के लिए तो क्वालीफाई करने में कामयाब हो गए थे लेकिन वह तीन थ्रो के बाद अंतिम-8 में अपनी जगह बनाने में कामयाब नहीं हो सके थे। इसके बाद से वह काफी ज्यादा आलोचना का भी सामना कर रहे हैं। ऐसे में अब आगे आने वाले टूर्नामेंट में उनको लेकर सबसे ज्यादा सभी का ध्यान रहने वाला है। नदीम दक्षिण अफ्रीका में अपने कोच टर्सियस लीबेनबर्ग और स्थानीय प्रशिक्षकों की देखरेख में कुछ सप्ताह तक अभ्यास करेंगे।

विश्व कप के बाद सफलता की भूख बढ़ी, चैंपियंस ट्रॉफी खास होगी: जेमिमा रोड्रिग्स

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के धाकड़ बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का मानना है कि टीम की वनडे विश्व कप 2025 में जीत ने सफलता की भूख को और बढ़ा दिया है। जेमिमा पहले महिला चैंपियंस ट्रॉफी में भी खिताबी जीत को दोहराने के लिए उत्सुक हैं। रोड्रिग्स ने जियोस्टार पर कहा, "हमने एक बार सफलता का स्वाद चखा है। हम जानते हैं कि टॉप पर होना कैसा लगता है। आप जितना ज्यादा इसका स्वाद चखते हैं, उतना ही ज्यादा आप वहां पहुंचना चाहते हैं। हमारी टीम इसके लिए काम कर रही है। चैंपियंस ट्रॉफी बहुत खास होने वाली है। यह महिला क्रिकेट में पहली बार हो रहा है। मैं भी पहली बार इसका हिस्सा बनूंगी। इसलिए यह बहुत खास होगा। मैं सच में इसका इंतजार कर रही हूं।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि मानसिकता के हिसाब से, कुछ भी नहीं बदलता है। यह टीम के बारे में है और टीम हमेशा जीत के बारे में सोचती है।" चैंपियंस ट्रॉफी पर अपना पूरा फोकस करने से पहले, भारतीय टीम को दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज खेलनी है। सीरीज में 1 टेस्ट, 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाने हैं।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के बारे में जेमिमा ने कहा, "यह पक्का एक बहुत ही रोमांचक सीरीज होने वाली है। दोनों टीमें बहुत अच्छा कर रही हैं। हाल ही में हमारे बीच बहुत मुकाबला हुआ है और हमने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बहुत सारे मैच खेले हैं। दुनिया की दो टॉप टीमें जब साउथ अफ्रीका में एक-दूसरे का सामना करेंगी, तो यह एक बड़ी चुनौती होने वाली है।

हम सच में इसका इंतजार कर रहे हैं।" जेमिमा भारतीय मध्यक्रम बल्लेबाजी की सबसे मजबूत कड़ी हैं। विश्व कप 2025 में उनकी भूमिका अहम रही थी। चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम इंडिया उनसे विश्व कप की तरह ही करिश्माई प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की मध्यक्रम की प्रमुख बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स का मानना है कि 2025 के एकदिवसीय विश्व कप में मिली ऐतिहासिक सफलता ने टीम के भीतर जीत की भूख को और बढ़ा दिया है।

खुशनाज सिंह बैदवान का भारतीय अंडर-18 बास्केटबॉल टीम में चयन

चंडीगढ़। चंडीगढ़ बास्केटबॉल एसोसिएशन के खिलाड़ी खुशनाज सिंह बैदवान का आगामी एफआईबीए अंडर-18 एशिया चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। प्रतियोगिता का आयोजन 13 से 23 अगस्त तक अहमदाबाद, गुजरात में किया जाएगा। चैंपियनशिप में एशिया और ओशिनिया क्षेत्र के 16 देशों की टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, कोरिया, चीन, श्रीलंका, बहरीन, चीनी ताइपे, फिलीपींस, लेबनान, थाईलैंड, ईरान, कतर, सीरिया और कजाकिस्तान शामिल हैं। खुशनाज सिंह बैदवान न्यू पब्लिक स्कूल की खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त बास्केटबॉल अकादमी के खिलाड़ी हैं। उन्होंने 14 वर्ष की उम्र में सेंट जॉन्स हाई स्कूल, सेक्टर-26 में पढ़ाई के दौरान बास्केटबॉल खेलना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने गुरुकुल ग्लोबल स्कूल में पढ़ाई की। राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में चंडीगढ़ का प्रतिनिधित्व कर उन्होंने अपनी प्रतिभा साबित की। खुशनाज के पिता एवं कोच जगराज सिंह बैदवान के मार्गदर्शन में उन्होंने खेल की तकनीक, अनुशासन और मानसिक मजबूती पर लगातार काम किया।

'अब नहीं जानता कि क्या करने वाला हूं'; पिता के निधन के बाद लियोनल मेसी का सामने आया पहला रिएक्शन

लियोनल मेसी के पिता जॉर्ज मेसी का 8 अगस्त को 68 साल की उम्र में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। इसके बाद अब लियोनल मेसी ने 12 अगस्त को पिता के निधन को लेकर पहली बार अपनी चुप्पी को तोड़ा है जिसमें उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट शेयर किया है जिसमें आगे फुटबॉल खेलने पर भी संशय की स्थिति जताई है। मेसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पिता जॉर्ज के साथ फोटो पोस्ट करते हुए एक नोट भी शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि वह इस भारी नुकसान को स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि वह अपने पिता के बिना जीवन में आगे कैसे बढ़ेंगे क्योंकि वह मेरे सबसे अच्छे दोस्त, मार्गदर्शक और एजेंट भी थे। लियोनल मेसी ने इंस्टाग्राम पर पिता के निधन के बाद जो पोस्ट शेयर किया उसमें उन्होंने लिखा कि मैं नहीं जानता कि आपके बिना क्या करने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि आगे कैसे बढ़ूंगा। मैं सिर्फ फुटबॉल खेल रहा था, लेकिन अब मुझे इस बात को लेकर कई सवाल हैं कि मैं इसे लंबे समय तक जारी रख पाऊंगा या नहीं। मेसी ने बताया कि उनके पिता ने उनका हर हालात में साथ दिया और उनके फैसलों पर उनका भरोसा हमेशा कायम रहा। हर चीज के लिए धन्यवाद। मैं आपसे प्यार करता हूं, पापा। अपने पोस्ट में लियोनल मेसी ने बताया कि फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के शुरू होने से कुछ दिन पहले उनके पिता की तबियत अचानक खराब हो गई थी और इस कारण यह पहला मौका था जब जॉर्ज किसी टूर्नामेंट के लिए मौजूद नहीं रह सके। मुझे हर मैच के बाद अपने पिता के मैसेज का इंतजार रहता था। मुझे तुम्हारी बहुत याद आएगी, लेकिन तुम हमेशा मौजूद रहोगे। खासकर मेरे बच्चों की परवरिश में, क्योंकि मैं उन्हें उसी तरह सिखाऊंगा और पालूंगा, जैसे तुमने मुझे पाला। मेसी के पिता के निधन के बाद अब जब उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया तो उनको क्रिस्टियानो रोनाल्डो का साथ मिला है।

वनडे फॉर्मेट को बचाने के लिए ICC कर रहा बड़ी प्लानिंग, बंद हो सकती है बिना मतलब की द्विपक्षीय टी20 सीरीज

टी20 क्रिकेट का आगाज हुए लगभग दो दशक का समय होने वाला है और इसकी लोकप्रियता पूरे वर्ल्ड में देखने को मिलती है। इसी वजह से मौजूदा दौर में लगभग हर क्रिकेट खेलने वाले बड़े देश में फ्रेंचाइजी टी20 लीग भी देखने को मिलती है।

इसके चलते वनडे और टेस्ट फॉर्मेट पर इसका बुरा असर सबसे ज्यादा देखने को मिला है जिसमें फैंस इनको लेकर अधिक दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं।

ऐसे में अब आईसीसी टेस्ट और वनडे के भविष्य को लेकर बड़ी प्लानिंग कर रहा है जिसको लेकर आईसीसी सीईओ संजोग गुप्ता का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि बिना मतलब के खेले जाने वाली टी20 सीरीज का कोई फ्यूचर नहीं है और ये जल्द ही बंद हो जाएगी।

आईसीसी सीईओ संजोग गुप्ता ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए अपने बयान में कहा कि बिना किसी उद्देश्य और संदर्भ के आयोजित की जाने वाली द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीजों का दौर अब खत्म होना चाहिए। ऐसे में वनडे क्रिकेट केवल अस्तित्व बनाए रखने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में भी काफी मजबूत हो सकता है।

पॉल पोग्बा के साथ कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर सकता है एएस मोनाको क्लब : रिपोर्ट

नई दिल्ली। फ्रांस के मिडफील्डर पॉल पोग्बा को चोट के कारण बड़ा झटका लग सकता है। लीग 1 क्लब एएस मोनाको पोग्बा का कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने पर विचार कर रहा है। पोग्बा पिछले साल फ्री ट्रांसफर पर एएस मोनाको से जुड़े थे। इससे पहले जुवेंटस के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया था और उन पर डोपिंग के कारण 18 महीने का बैन लगा था। 32 वर्षीय फ्रांस के मिडफील्डर ने दो साल का करार किया था, जो आने वाले सीजन के अंत तक चलना था। मोनाको में पोग्बा का पहला सीजन चोट के कारण बाधित रहा था, लेकिन उम्मीद थी कि

इस सीजन में फ्रांस का यह खिलाड़ी नियमित रूप से खेलेगा।हालांकि, 'बीसीसी' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उन्हें जल्दी रिलीज करने के बारे में बातचीत चल रही है और उन पर फैसला जल्द ही होने की उम्मीद जताई जा रही है। पोग्बा सितंबर 2023 से प्रतिस्पर्धी मैचों से बाहर थे। 20 अगस्त को 2023-24 सीजन के शुरुआती मैच में उडिनेस के खिलाफ जुवेंटस के लिए खेलने के बाद डोप टेस्ट में फेल होने पर उन पर बैन लगा दिया गया था। वह डीएचईए के लिए पॉजिटिव पाए गए थे, जो एक प्रतिबंधित पदार्थ है और शरीर में टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाता है।

डॉक्टर शुभम वत्स ने बताया इन 3 सब्जियों को भूलकर भी न खाएं कच्चा, नहीं तो हो सकती है ये समस्याएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञ और डॉक्टर शुभम वत्स के अनुसार, हरी और ताजी सब्जियां सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती हैं, लेकिन इन्हें खाने का सही तरीका जानना उतना ही जरूरी है। अक्सर लोग वजन घटाने या खुद को फिट रखने के लिए सब्जियों को कच्चा या सलाद के रूप में खाने लगते हैं। हालांकि, हर सब्जी को बिना पकाए खाना सेहत के लिए सुरक्षित नहीं होता। डॉक्टर वत्स ने ऐसी ही 3 सब्जियों के बारे में बताया है, जिन्हें कच्चा खाने से पेट और सेहत से जुड़ी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। चलिए जानते हैं। पालक में ऑक्सालेट की मात्रा काफी अधिक होती है। कच्चा खाने पर यह गले में खराश, खुजली और जलन पैदा कर सकता है। इसके अलावा, ऑक्सालेट के अधिक सेवन से किडनी स्टोन का खतरा काफी बढ़ जाता है। इन्हें उबालकर या सही तरीके से पकाकर ही खाएं ताकि ऑक्सालेट का असर कम हो सके। पालक को कच्चा खाने से पेट से जुड़ी कई तरह की समस्याएं हो सकती है। बंदगोभी को अक्सर सलाद या चाउमीन में कच्चा ही इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन ऐसा करना खतरनाक साबित हो सकता है। बंदगोभी की परतों में 'टेपवर्म' या उनके अंडे छिपे हो सकते हैं। ये कीड़े इतने सूक्ष्म होते हैं कि सादे पानी से धोने पर भी नहीं निकलते। यदि ये शरीर में पहुंच जाएं, तो मस्तिष्क या पेट से जुड़ी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। ऐसे में बंदगोभी को हमेशा अच्छे से उबालकर या पकाकर ही खाएं। बैंगन को कभी भी कच्चा खाने की भूल न करें। कच्चे बैंगन में सोलेनाइन नाम का एक जहरीला तत्व पाया जाता है। इसे कच्चा खाने से उल्टी, पेट में तेज दर्द, ऐंठन, मतली और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पकाने से सोलेनाइन का प्रभाव खत्म हो जाता है, इसलिए इसे हमेशा भूनकर या सब्जी बनाकर ही खाएं।

इंसुलिन रेजिस्टेंस होने पर शरीर में दिख सकते हैं ये संकेत, फिजिशियन ने कहा

आजकल, इंसुलिन रेजिस्टेंस तेजी से बढ़ती एक मेटाबॉलिक समस्या है।

इसकी वजह से खून में ग्लूकोज और इंसुलिन का स्तर बढ़ने लगता है, जो आगे चलकर टाइप-2 डायबिटीज का कारण बन सकता है। शुरुआत में इसके लक्षण अक्सर सामान्य नजर आते हैं। लेकिन इन संकेतों पर ध्यान देकर इंसुलिन रेजिस्टेंस को कंट्रोल कर सकते हैं।

डबल बोर्ड-सर्टिफाइड एनेस्थिसियोलॉजिस्ट और इंटरवेंशनल पेन मेडिसिन फिजिशियन, डॉक्टर कुणाल सूद ने इंसुलिन रेजिस्टेंस के ऐसे ही लक्षण बताए हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पेट की चर्बी बढ़नाः इंसुलिन का लेवल ज़्यादा होने से शरीर में फैट जमा होता है, खासकर पेट के आस-पास।

एक्स्ट्रा इंसुलिन पेट के निचले हिस्से में ज़्यादा एनर्जी जमा करने का संकेत देता है। समय के साथ, इस वजह से सूजन बढ़ती है और टाइप 2 डायबिटीज़ और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।

त्वचा की सिलवटों का काला पड़नाः इंसुलिन रेजिस्टेंस के कारण खून में इंसुलिन का लेवल बढ़ जाता है। ज़्यादा इंसुलिन त्वचा की कोशिकाओं में ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर्स से जुड़ता है, जिससे तेज़ी से ग्रोथ होती है। इस वजह से गर्दन, बगल या जांघों के बीच त्वचा पर मोटे, मखमली पैच बन जाते हैं।

खाना खाने के बाद थकानः अगर आपको खाना खाने के बाद बहुत ज़्यादा थकान जैसा महसूस होता है तो हो सकता है कि इंसुलिन-रेसिस्टेंट बढ़ा हुआ हो। दरअसल, जब कोशिकाओं को एनर्जी नहीं मिलती तो इस वजह से सुस्त महसूस कर सकते हैं। इंसुलिन के अचानक बढ़ने से ब्लड शुगर में तेज़ी से गिरावट आ सकती है, जिससे अचानक एनर्जी कम होना, चिड़चिड़ापन और थकान महसूस हो सकती है।

कब्ज से परेशान हैं तो डाइट में शामिल करें ये फ़ूड्स, गट हेल्थ न्यूट्रिशनिस्ट ने बताए असरदार विकल्प

कब्ज की समस्या आजकल काफी आम हो गई है। खराब खान-पान, कम फाइबर लेना, पर्याप्त पानी न पीना और शारीरिक गतिविधि की कमी इसकी वजह बन सकती है। गट हेल्थ न्यूट्रिशनिस्ट परिधि ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया है, जिन्हें डाइट में शामिल करने से पाचन तंत्र को बेहतर रखने और कब्ज की समस्या को मैनेज करने में मदद मिल सकती है।

कीवीः कीवी में फाइबर और पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो मल को नरम करने और बाउल मूवमेंट को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। इसे नाश्ते या मिड-मॉर्निंग स्नैक के तौर पर खाया जा सकता है।

सूखे आलूबुखारेः सूखे आलूबुखारे यानी प्रून्स कब्ज के लिए लोकप्रिय विकल्प हैं। इनमें फाइबर के साथ सॉर्बिटोल या जाता है, जो आंतों में पानी खींचने में मदद कर सकता है और मल त्याग को आसान बना सकता है।

दहीः दही में प्रोबायोटिक्स पाए जाते हैं, जो आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया के संतुलन को सपोर्ट कर सकते हैं। नियमित डाइट में दही शामिल करना गट हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकता है।

अलसी के बीजः अलसी के बीज फाइबर से भरपूर होते हैं। ये मल बढ़ाने और बाउल मूवमेंट को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इन्हें पीसकर दही, स्मूदी या दलिया में मिलाकर लिया जा सकता है। साथ ही, फाइबर बढ़ाते समय पर्याप्त पानी पीना भी जरूरी है।

ज़्यादा फ़ाइबर वाले फ़ूड्स को एकदम से नहीं, बल्कि धीरे-धीरे अपनी डाइट में शामिल करें। फ़ाइबर की मात्रा अचानक बढ़ाने से कभी-कभी ब्लोटिंग (पेट फूलना), गैस या बेचैनी हो सकती है।

ध्यान रखें कि आप पूरे दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। फ़ाइबर तब सबसे अच्छा काम करता है जब शरीर में पानी की कमी न हो।

शुरुआत कम मात्रा से करें और देखें कि आपका पेट कैसा महसूस करता है। एकदम से बहुत ज़्यादा बदलाव करने की ज़रूरत नहीं है।

नियमित रूप से शारीरिक गतिविधि करने से ये फ़ूड्स और भी बेहतर काम कर सकते हैं। रोज़ाना थोड़ी देर टहलने से भी पेट साफ़ रहने में मदद मिल सकती है। लंबे समय तक लगातार बैठने के बजाय बीच-बीच में थोड़ा चलना, रोजाना टहलना और अपनी क्षमता के अनुसार नियमित शारीरिक गतिविधि करना आंतों की सामान्य गतिविधि को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

किस बीमारी में किस डॉक्टर के पास जाएं? जानिए कौन-सा स्पेशलिस्ट किस बीमारी का करता है इलाज

मेडिकल की दुनिया बहुत बड़ी है, लेकिन अक्सर हम बीमार पड़ते हैं तो सबसे पहले किसी फिजिशियन के पास ही जाते हैं। कई बार प्राइवेट डॉक्टर इसका फायदा उठाते हैं और लंबे समय तक मरीज को अपने पास बुलाते रहते हैं और अपनी फीस वसूलते रहते हैं। ऐसे में कुछ केस खराब भी हो जाते हैं और कई बार जब परेशानी हद से ज्यादा बढ़ जाती है तब जाकर मरीज को स्पेशलिस्ट के पास भेजा जाता है।

ऐसे में आपका ये जानना जरूरी है कि अलग-अलग बीमारी के स्पेशलिस्ट कौन होते हैं और इन्हें किस नाम से जानते हैं। ताकि अगली बार आप बीमार पड़ें तो सही स्पेशलिस्ट के पास ही पहुंचें।

इंटरनल मेडिसिन डॉक्टर (Internal medicine doctors)- इन्हें 'इंटर्निस्ट' भी कहते हैं। बड़े लोगों में होने वाली बीमारियों के इलाज के लिए इनसे संपर्क किया जा सकता है। ये शरीर के अंदरूनी अंगों से जुड़ी मेडिकल समस्याओं का इलाज करते हैं। इन्हें आप फिजिशयन भी कह सकते हैं जो स्पेशलिस्ट के साथ मिलकर मरीज की देखभाल कर सकते हैं।

बाल रोग विशेषज्ञ (Pediatricians)- पीडियाट्रिशियन बच्चों के डॉक्टर होते हैं और 18 साल तक के शिशुओं और बच्चों की देखभाल करते हैं। टीका लगाना और बच्चों की बीमारियों में आपको इनसे ही संपर्क करना चाहिए। ये बच्चों के विकास पर भी नजर रखते हैं।

वृद्धावस्था रोग विशेषज्ञ (Geriatricians)- जेरियाट्रिशियन आमतौर पर 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को इन्हें दिखाया जाता है। ये डॉक्टर बुजुर्गों की स्वास्थ्य देखभाल की जरूरतों का ध्यान रखते हैं। ये उम्र के साथ होने वाली बीमारियों और उससे जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए होते हैं।

हृदय रोग विशेषज्ञ (Cardiologists)- कार्डियोलॉजिस्ट दिल और रक्त वाहिकाओं से जुड़ी बीमारियों का इलाज करते हैं। ये डॉक्टर कोरोनरी आर्टरी डिजीज, हार्ट फेलियर, हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट वाल्व से जुड़ी समस्याओं का इलाज करते हैं।

त्वचा रोग विशेषज्ञ (Dermatologists)- डर्मेटोलॉजिस्ट त्वचा, बाल और नाखूनों से जुड़ी समस्याओं के विशेषज्ञ होते हैं। ये मुंहासे, एक्जिमा, सोरायसिस, त्वचा के संक्रमण और त्वचा के कैंसर जैसी समस्याओं का इलाज करते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि, स्टेम सेल से तैयार किया हृदय वाल्व टिशू

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों ने चिकित्सा जगत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टीम ने स्टेम सेल से इंसानी हृदय के वाल्व जैसा ऊतक (टिशू) तैयार किया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तकनीक भविष्य में खासकर बच्चों में हृदय वाल्व से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खोल सकती है। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, मर्डोक चिल्ड्रन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमसीआरआई) के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में प्रयोगशाला में तैयार किए गए हृदय वाल्व के ऊतक, मानव शरीर में मौजूद वाल्व की तरह बढ़ते और व्यवहार करते नजर आए। यह शोध 'सेल स्टेम सेल' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस तकनीक से अब यह समझना आसान होगा कि इंसानी हृदय के वाल्व जन्म से लेकर वयस्क होने तक कैसे विकसित होते हैं और बीमारी या संक्रमण की वजह से उनमें किस तरह का बदलाव आता है। एमसीआरआई की हार्ट रीजेनरेशन ग्रुप की टीम लीडर हॉली वोगेस ने कहा कि यह सफलता क्षतिग्रस्त हृदय वाल्व की मरम्मत के लिए ऐसे उपचार विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जिनमें शरीर की अपनी कोशिकाओं का इस्तेमाल किया जा सके। दुनिया भर में करीब 2.8 करोड़ लोग हृदय वाल्व की बीमारी से पीड़ित हैं। इसके पीछे जन्मजात समस्याएं, संक्रमण और उम्र के साथ वाल्व का कमजोर होना जैसे कई कारण हो सकते हैं। मौजूदा समय में क्षतिग्रस्त वाल्व को दोबारा स्वस्थ करने का कोई ऐसा उपचार नहीं है, जो बीमार को एकदम तंदुरुस्त कर दे। ऐसे में कई मरीजों को वाल्व बदलने की सर्जरी का सहारा लेना पड़ता है।

खाना खाते ही टॉयलेट जाने की इच्छा? जानें वैज्ञानिक कारण और कब है खतरा

हमारे शरीर में खाना खाने के बाद कई तरह की प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं। खाना पेट में पहुंचता है, पेट उसे पचाने का काम शुरू करता है और आंतें भी अपना काम तेज कर देती हैं। यही वजह है कि कुछ लोगों को खाना खाने के कुछ ही समय बाद टॉयलेट जाने की जरूरत महसूस होने लगती है। खासकर सुबह नाश्ता करने के बाद ऐसा होना काफी आम है। कई लोग इसे देखकर सोचते हैं कि जो खाना अभी खाया है, वह तुरंत बाहर निकल रहा है। लेकिन ऐसा नहीं होता। हमारे शरीर को भोजन को पचाने और उसे मल में बदलने में कई घंटे लगते हैं। खाना खाने के बाद जल्दी टॉयलेट जाने की इच्छा होने के पीछे शरीर की एक सामान्य प्रक्रिया काम करती है। इसे डॉक्टर गैस्ट्रोकोलिक रिफ्लेक्स कहते हैं। दरअसल, जब भोजन पेट में पहुंचता है, तो शरीर को संकेत मिलता है कि पाचन की प्रक्रिया आगे बढ़ानी है। इसके जवाब में, बड़ी आंत की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। बड़ी आंत में पहले से मौजूद मल आगे की तरफ खिसकने लगता है, और इसी वजह से व्यक्ति को शौच जाने की इच्छा महसूस होती है। इसलिए, भोजन के तुरंत बाद टॉयलेट जाना इस बात का संकेत नहीं है कि अभी खाया गया खाना शरीर से बाहर निकल रहा है।

बिना लक्षणों के चुपके से पनप रही हैं युवाओं में ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी बीमारी

भारत में साइलेंट डिजीज काफी तेजी से पनप रही हैं। इसमें हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज एक बड़ी महामारी का रूप ले रही हैं। ये लाइफस्टाइल डिजीज है जिनसे अचानक से कोई बड़ी परेशानी नहीं होती, लेकिन लंबे समय में ये शरीर को अंदर से खोखला बना देती हैं। ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को लेकर सबसे ज्यादा चिंता की बात ये है कि बड़ी संख्या में लोगों को इनका पता ही नहीं होता कि उन्हें ऐसी कोई बीमारी है। जबकि डॉक्टर योगेश छाबड़ा (नेफ्रोलॉजी यूनिट के प्रमुख और निदेशक, फोर्टिस अस्पताल, शालीमार बाग) के अनुसार भारत में लगभग 10 में से 8 लोग उच्च रक्तचाप, डायबिटीज या प्रीडायबिटिक हैं। कई लोग इससे अनजान रहते हैं कि उन्हें कोई बीमारी है क्योंकि इनके लक्षण काफी सामान्य होते हैं और हमेशा दिखाई नहीं देते। ये बीमारियां धीरे-धीरे शरीर में पैदा होती हैं और इंसान के रोज के कामकाज और दिनचर्या पर तुरंत असर नहीं डालती हैं। इसलिए इनकी नियमित जांच कराना महत्वपूर्ण हो जाता है। खासकर उन लोगों के लिए जो अपनी उम्र, फेमिली हिस्ट्री, वजन या लाइफस्टाइल के कारण सबसे ज्यादा खतरे में हो सकते हैं। हाई बीपी और हाई शुगर दोनों की लाइफस्टाइल डिजीज हैं। जो लोग व्यायाम कम करते हैं, अनहेल्दी खान-पान की आदतें हैं, वजन ज्यादा है, लंबे समय तक तनाव में रहते हैं और भरपूर नींद नहीं लेते हैं उन्हें इसका खतरा ज्यादा होता है। अगर आप धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं तो जोखिम कई गुना और बढ़ जाता है। लक्षण नजर न आने की वजह से हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज का बिना टेस्ट के पता लगाना मुश्किल होता है।

शरीर के टॉक्सिन बाहर निकालता है कपालभाति, बढ़ती है एकाग्रता

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोटापा, कब्ज, साइनस, अस्थमा और तनाव आम हो गया है। दवाओं के साथ-साथ अगर आप 10 मिनट कपालभाति करेंगे, तो कुछ शारीरिक समस्याओं से निजात पाने में मदद हो सकती है। शास्त्रों में कपालभाति को 'षट्कर्म' और 'प्राणायाम' दोनों का हिस्सा माना गया है। माना जाता है कि कपालभाति से न सिर्फ शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं, बल्कि नकारात्मक सोच भी दूर होती है और एकाग्रता बढ़ती है। यह एक ऐसी आसान, लेकिन बहुत असरदार योग क्रिया है, जिसको करने के दौरान तेजी से सांस छोड़नी होती है और सांस अपने आप अंदर आती है। रोजाना कुछ मिनट करने से ही शरीर और मन दोनों को फायदा मिलता है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, यह पाचन क्रिया को मजबूत करता है। इससे पेट की मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, जिससे आंतों में रक्त संचार बढ़ता है और पाचन एंजाइम बेहतर होते हैं। इससे गैस, कब्ज, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं में राहत मिलती है। नियमित अभ्यास से भूख बेहतर लगती है और शरीर में विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं। कपालभाति केवल पेट की सफाई नहीं करता, यह मानसिक शांति और याददाश्त को भी तेज करता है।

शरीर के इन अंगों में हो रहा है तेज दर्द तो सकते हैं सर्वाइकल के चांस

सर्वाइकल का दर्द गर्दन के ऊपरी हिस्से से शरू होकर पीठ के नीचले हिस्से तक होता है। आपको पीठ में कहीं भी क्रैम्प आ रहा है और गर्दन घुमाने में दिक्कत हो रही है तो यह सर्वाइकल का ही एक लक्षण है। सर्वाइकल के कारण हाथ और बाजू की मांसपेशियों में दर्द हो सकता है। ताड़ासन के फायदेः ताड़ासन करने से आपकी पीठ को आराम मिलता है और रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है। यह योगसान शरीर को लचीला भी बनाता है, पाचन को ठीक रखता है। साथ ही थकान, तनाव और चिंता दूर करता है।

उष्ट्रासन के फायदेः उष्ट्रासन पीठ के निचले हिस्से में तनाव से राहत दिलाने में मदद कर सकता है जिससे मासिक धर्म की ऐंठन कम हो सकती है।

शलभासनः शलभासन रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है। यह आसन पीठ के निचले हिस्से, पेल्विक अंगों को मजबूत बनाकर पीठ दर्द से राहत देता है।

धनुरासनः धनुरासन आपके पीठ को टोन करने के साथ रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन में सुधार करता है। गर्दन के तनाव को कम करने के साथ गर्दन और पीठ दर्द को ठीक करने में मदद करता है।

मर्कटासनः मर्कटासन कब्ज और पेट से जुड़ी समस्याओं में फायदेमंद है। यह कमर दर्द, स्पॉन्डिलाइटिस, सर्वाइकल, साइटिका और स्लिप डिस्क में ख़ास प्रभावकारी है।

सुबह के समय खाली पेट एक्सरसाइज़ करना चाहिए या नहीं? जानें क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

आजकल लोग अपनी फिटनेस पर बेहद ध्यान देने लगे हैं। मोटापा उनपर हावी न हो और शरीर स्वस्थ रहे इसलिए लोग सुबह के समय वर्कआउट करने लगे हैं। कई लोग तो सेहत को जल्दी से जल्दी फायदा मिले इलसिए खाली पेट ही इंटेस एक्सरसाइज़ करते हैं। ऐसे में हमने आकाश हेल्थकेयर की फिजियोथेरेपी और एचोडी डॉ. मीनाक्षी फुलारा से बातचीत की और यह जाना कि आखिर सुबह के समय खाली पेट वर्कआउट करना हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है या नुकसानदायक?

जब भी हम खाली पेट एक्सरसाइज़ करते हैं तो उसे फास्टिंग वर्कआउट कहते हैं।चलिए जानते हैं खाली पेट एक्सरसाइज़ करने के फायदेः

वजन कम करने में फायदेमंदः खाली पेट वर्कआउट करने से आपका वजन तेजी से कम होता है।दरअसल, अगर आपक वजन ज़्यादा है और आप खाली पेट एक्सरसाइज़ कर रहे हैं तो इसे आपकी बॉडी में मौजूद फैट एनर्जी में बदलता है और फैट ब्रेकडाउन होता है जिससे धीरे-धीरे वजन कम होता है।

डायबिटीज में फायदेमंदः अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं और बिना कुछ खाए वर्कआउट कर रहे हैं तो यह आपकी सेहत के लिए लाभकारी हो सकता है। दरअसल, खाली पेट एक्सरसाइज़ करने से इन्सुलिन रेजिस्टेंस बढ़ता है जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।

खाली पेट वर्कआउट करने से एनर्जी फैट के फॉर्म में जब ब्रेकडाउन होता है तब वह उसके अलावा आपकी बॉडी में जो प्रोटीन है उसे भी फ्यूल के फॉर्म में इस्तेमाल करता है जिससे आपकी बॉडी में ये संभावित नुकसान हो सकते हैं।

स्टेमिना हो सकता है कमः खाली पेट वर्कआउट करने से आपके शरीर को कमजोरी महसूस होगी। कमजोरी होने से लोग फोकस नहीं कर पाते हैं और कई बार लोगों की तबियत खराब हो जाती है।

मसल हो सकता है लॉसः खाली पेट वर्कआउट करने से शरीर में मसल लॉस का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इस वजह से शरीर की त्वचा के साथ साथ मांसपेशियां भी सुस्त हो जाती हैं।

हड्डियां होती हैं कमजोरः खाली पेट एक्सरसाइज़ करने से आपकी हड्डियां भी कमजोर होती हैं।

मेटाबॉलिज्म होता है स्लोः अगर आप बिना कुछ खाए एक्सरसाइज़ कर रहे हैं तो इससे आपका मेटाबोलिज़म भी स्लो होता है जिससे आपक वजन जल्दी कम नहीं हो पाता है।

डॉ. मीनाक्षी फुलारा कहती हैं कि मैं आपको यही सलाह दूंगी कि वर्कआउट से पहले एक छोटा ही सही लेकिन सही डाइट लेना जरूरी है क्योंकि इससे वर्कआउट के समय शरीर को ऊर्जा मिलती है। इसलिए वर्कआउट के पहले भले आप एक एप्पल खाएं लेकिन कुछ न कुछ खाएं ज़रूर।

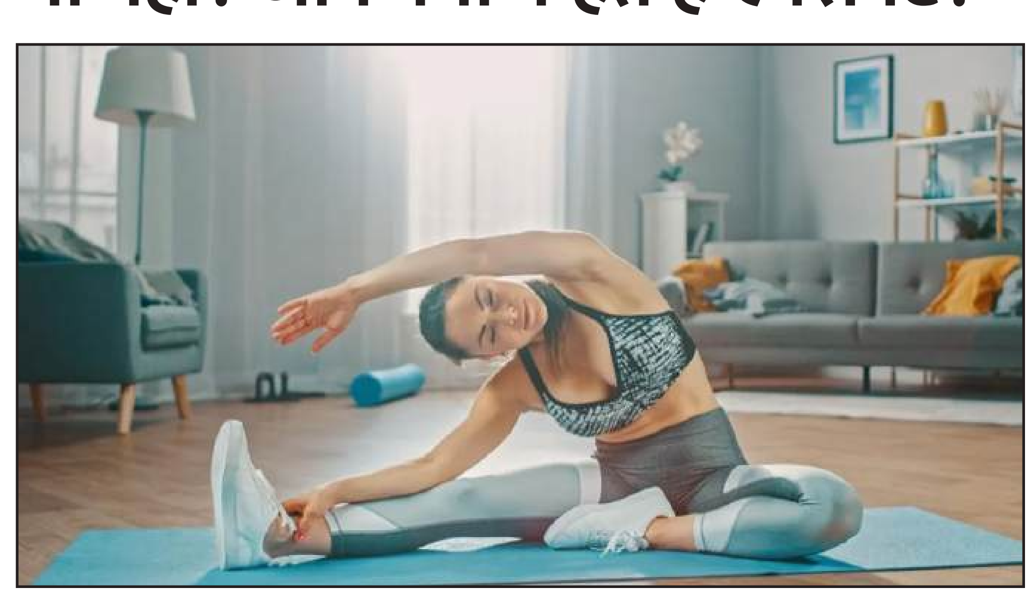

कॉलेज में PGDCA परीक्षा के दौरान खुलेआम हो रही थी सामूहिक नकल, फ्लाइंग स्क्वॉड ने पकड़ा

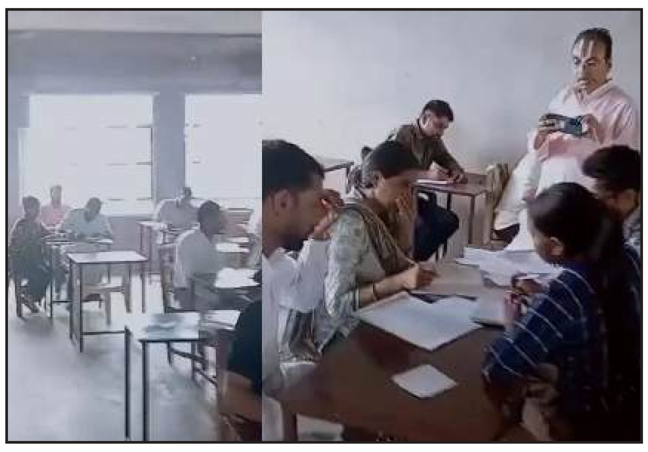

राजस्थान के सीकर में सामूहिक नकल का मामला आया सामने आया है।

पीजीडीसीए परीक्षा में सामूहिक नकल का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल है। ये वायरल वीडियो सीकर के विश्व भारती कॉलेज का बताया जा रहा है। बता दें कि जगतगुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के फ्लाइंग स्क्वॉड ने छापा मारा था।

तभी सामूहिक नकल करते हुए छात्र पकड़े गए। इस घटना के बाद जगतगुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय की तरफ से आदेश जारी करके प्रथम पाली के नौवें प्रश्न पत्र को निरस्त कर दिया गया। यूनिवर्सिटी की तरफ से जारी पत्र में लिखा गयाः विश्वविद्यालय की तरफ से गठित उडनदस्ता दल ने विश्वभारती शिक्षाशास्त्री महाविद्यालय, सीकर परीक्षा केंद्र पर दिनांक 11.08.2026 को प्रथम पाली यानी 11.00 AM से 2.00 PM में नवम् प्रश्न पत्र में सामूहिक नकल मामला सामने आने के कारण उक्त एग्जाम सेंटर पर परीक्षा दे रहे सभी परीक्षार्थियों के 9वें प्रश्न पत्र की परीक्षा तुरंत प्रभाव से निरस्त कर दी जाती है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि जब फ्लाइंग स्क्वॉड मौके पर पहुंचा तो परीक्षार्थी नकल कर रहे थे। कुछ तो एक-दूसरे के पास ही बैठे हुए थे और कॉपी कर रहे थे। उन्हें नियमानुसार दूर-दूर अपनी तय सीट पर नहीं बैठाया गया था।

करवट बदल रहा मानसून, कहीं झमाझम बारिश, कहीं उमस करेगी परेशान

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने बताया कि बुधवार, 12 अगस्त को पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों के पास बना नया सिस्टम अगले 12 घंटों में स्पष्ट रूप से चिह्नित कम दबाव वाला क्षेत्र बन सकता है और फिर अगले 24 घंटों में और मजबूत होकर 'डिप्रेशन' यानी कम दबाव वाले क्षेत्र में बदल सकता है। गुरुवार, 13 अगस्त को भारत में एक बार फिर बड़े पैमाने पर मॉनसून की बारिश होने की संभावना है, क्योंकि बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में बना कम दबाव का नया सिस्टम मजबूत होकर जमीन की ओर बढ़ने की उम्मीद है। इस सिस्टम के मजबूत होने के बाद पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश से होते हुए उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की उम्मीद है। इससे आने वाले दिनों में देश के पूर्वी और मध्य हिस्सों में बारिश हो सकती है। बारिश का मौसम का पैटर्न तय करने में अहम भूमिका बनी रहेगी, लेकिन देश के कुछ हिस्सों में मौसम दूसरों के मुकाबले बेहतर हो सकता है। गुरुवार को दिल्ली में मौसम अपेक्षाकृत शांत और सुहावना रहने की संभावना है, हालांकि बारिश की गुंजाइश बनी हुई है।

सुबह-सुबह लेह लद्दाख में आया तेज भूकंप, 5.5 तीव्रता के झटके से हिली धरती, घरों से भागे लोग

लद्दाख के लेह में गुरुवार की सुबह सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, लेह में गुरुवार सुबह 6 बजकर 5 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए और रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.5 दर्ज की गई है। इसकी गहराई 10 किमी. जमीन के नीचे थी। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि लोग अपने घरों से निकलकर सड़क पर आ गए। हालांकि अब तक भूकंप से किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। सुबह सुबह कुछ लोग नींद में ही थे, जो लोग जगे थे वो अचानक भूकंप आने से इतने डर गए कि घर से निकलकर सड़क पर आ गए। लोगों ने बताया कि भूकंप के झटके इतने तेज थे कि नींद में भी महसूस हुआ कि पूरा घर हिल रहा है। शोर मचा और लोग दहशत में आ गए। अभी आफ्टरशॉक्स आ सकते हैं, इस वजह से लोग डर के मारे घर में नहीं जा रहे हैं। बता दें कि 2.0 या उससे कम तीव्रता वाले भूकंप को माइक्रो भूकंप कहा जाता है, इसके झटके बहुत हल्के होते हैं और अक्सर लोग इसे महसूस नहीं कर पाते हैं। ये भूकंप वाले क्षेत्र में अक्सर आते रहते हैं। लेकिन 4.5 या उससे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंप महसूस होते हैं और इससे जान माल का नुकसान हो सकता है। इस तीव्रता वाले भूकंप को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि इससे घरों और इमारतों को नुकसान पहुंच सकता है। 7.0 या उससे ज्यादा तीव्रता वाले भूकंप को खतरनाक श्रेणी में रखा जाता है। ये भूकंप काफी तबाही मचा सकते हैं। जैसा कुछ दिनों पहले कोलंबिया में भूकंप आया, इसमें कई लोगों की जान चली गई। भूकंप की तीव्रता 7.4 मापी गई थी। भूकंप से कई इमारतें धराशायी हो गई और मलबे में दबे लोगों की तलाश करते लोग रोते बिलखते दिखाई दिए। कई लोग अब भी लापता हैं, राहत और बचाव कार्य जारी है और लापता लोगों की तलाश की जा रही है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र देशभर में भूकंपीय गतिविधियों की निगरानी करता है। केंद्र के अनुसार भूकंप की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाती है और महत्वपूर्ण घटनाओं की जानकारी संबंधित राज्य तथा आपदा प्रबंधन तंत्र तक पहुंचाई जाती है। भूकंप के बाद विशेषज्ञ आमतौर पर लोगों को घबराने के बजाय सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। यदि दोबारा झटके महसूस हों तो मजबूत मेज या अन्य सुरक्षित स्थान के नीचे शरण लेना, खिड़कियों और भारी सामान से दूरी बनाए रखना तथा झटके रुकने के बाद ही सुरक्षित तरीके से खुले स्थान की ओर जाना उचित माना जाता है। भूकंप के दौरान लिफ्ट का इस्तेमाल करने से भी बचना चाहिए। लेह और आसपास के क्षेत्रों में भूकंपीय गतिविधि नई बात नहीं है। हिमालयी क्षेत्र भूगर्भीय रूप से सक्रिय होने के कारण यहां समय-समय पर भूकंप आते रहते हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर भवनों की संरचनात्मक मजबूती, आपदा के समय निकासी की तैयारी और लोगों में जागरूकता को महत्वपूर्ण माना जाता है। सुबह आए इस भूकंप ने एक बार फिर पर्वतीय क्षेत्रों में आपदा तैयारी की जरूरत को सामने ला दिया है। फिलहाल सबसे बड़ी राहत यह है कि 5.5 तीव्रता के झटकों के बावजूद अब तक किसी जनहानि या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है।

"राम मंदिर भेजा तो हो जाएगी चोरी", बोरी में चंदे की रकम लेकर संसद पहुंचे SP के सांसद

उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की रकम में चोरी के आरोपों को लेकर समाजवादी पार्टी का संसद परिसर में चल रहा विरोध प्रदर्शन अब खत्म होने जा रहा है। मॉनसून सत्र के आखिरी दिन से एक दिन पहले सपा सांसदों ने फिर संसद परिसर में दानपात्र रखकर चंदा जुटाया। पार्टी का दावा है कि पिछले करीब दो हफ्तों के प्रदर्शन के दौरान सांसदों और अन्य लोगों से एक लाख 57 हजार रुपये की रकम जमा हुई है। सपा सांसद बुधवार को इस रकम को एक बोरी में भरकर संसद परिसर में लेकर पहुंचे। सांसदों ने आरोप लगाया कि अगर यह रकम राम मंदिर पहुंचाई गई तो वहां भी इसके चोरी होने का खतरा हो सकता है। सपा ने ऐलान किया है कि संसद का मॉनसून सत्र खत्म होने के बाद यह पूरी रकम दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में दान की जाएगी। अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने राम मंदिर में श्रद्धालुओं और चढ़ावे को लेकर भी बड़े दावे किए। उनका कहना है कि चोरी के खुलासे के बाद मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है और पहले जहां रोज करोड़ों रुपये का चढ़ावा आता था, अब यह रकम घटकर कुछ लाख रुपये रह गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने वोट के लिए भगवान राम के नाम का इस्तेमाल किया और अब जब विपक्ष मंदिर में चढ़ावे की रकम को लेकर चर्चा की मांग कर रहा है, तो सरकार इससे बच रही है। राम मंदिर के चढ़ावे को लेकर उठे विवाद के बीच मंदिर की व्यवस्थाओं में बदलाव की प्रक्रिया भी चल रही है। ट्रस्ट की ओर से प्रोफेशनल सीईओ की नियुक्ति के लिए इंटरव्यू किए जा रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश में अगले चुनावों को देखते हुए यह मुद्दा राजनीतिक रूप से भी अहम होता जा रहा है। समाजवादी पार्टी इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश में है। संसद परिसर में दानपात्र रखकर चंदा जुटाना इसी राजनीतिक अभियान का हिस्सा माना जा रहा है।

कांवड़िए लौटे और हरिद्वार में गंगा नदी के घाटों पर छोड़ गए 7 हजार मीट्रिक टन कचरा!

कांवड़ यात्रा के चलते उत्तराखंड के हरिद्वार का पूरा प्रशासन लगातार सफाई अभियान में जुटा है। एक हजार से ज्यादा कर्मचारी रात भर गंगा के घाटों से वो गंदगी साफ करते रहे जो कांवड़िए फैलाकर गए हैं। कांवड यात्रा संपन्न हुई, कांवड़िए तो गंगाजल लेकर लौट गए लेकिन गंगा के घाटों पर पुराने कपड़े, जूते-चप्पल, पॉलीथीन्स, खाने का सामान और फटे पुराने बैग वहीं छोड़ गए। कांवड़ यात्रा खत्म होने के बाद गंगा के घाट गंदगी से भरे थे। हर तरफ गीले कपड़े और सड़ा हुआ खाना पड़ा था। हर तरफ बदबू थी। इसके बाद हरिद्वार नगर निगम के कर्मचारियों ने सफाई अभियान शुरू किया और 24 घंटे में गंगा के घाटों से सात हजार मीट्रिक टन कचरा इकट्ठा किया। कांवड़ियों ने इतना कूड़ा-कचरा फैलाकर गए हैं कि इसे समेटने के लिए बड़ी-बड़ी मशीनें लगानी पड़ीं। 89 से ज्यादा बड़े ट्रक्स में कचरे को भरकर हरिद्वार से बाहर ले जाया गया। अफसरों ने बताया कि इस बार 4 करोड़ 80 लाख से ज्यादा कांवड़िए हरिद्वार आए थे, इसलिए व्यवस्था में थोड़ी मुश्किल तो आई। लेकिन प्रशासन रोज रात में सफाई अभियान चलाता था। दिनभर का ज्यादातर कचरा रात में साफ कर दिया जाता था। लेकिन कांवड़ यात्रा के आखिरी दो दिनों में कांवड़ियों की संख्या बढ़ती है। श्रद्धालु डाक कांवड़ लेकर आते हैं, इसलिए आखिरी दो दिनों में सफाई नहीं पाई थी और दो दिन में ही इतना सारा कचरा इकट्ठा हो गया। मुख्य नगर आयुक्त नंदर कुमार के मुताबिक, सुभाष घाट, नई घाट, अलकनंदा और विष्णु घाट को भी 95 प्रतिशत साफ कर दिया गया है। साफ सफाई के बाद आज गंगा आरती में धूमधाम से हुई। गंगा आरती में पहुंचे भक्तों ने कहा कि प्रशासन ने अच्छा काम किया है लेकिन अगर कांवड़िए भी साफ-सफाई का ख्याल रखते तो न गंगा में गंदगी होती, न प्रशासन को इतनी मेहनत करनी पड़ती। इससे पहले हाल ही में हरिद्वार में गंगनहर में डूबने से 4 कांवड़ियों की मौत हो गई थी। इस घटना में एक को बचाने में चारों की जान चली गई थी। ये लोग सिंघोड़ से हरिद्वार आए थे। श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ने के कारण सफाई कर्मचारियों को भीड़ के बीच लगातार सफाई करने में कठिनाई हुई। परिणामस्वरूप अंतिम दो दिनों में बड़ी मात्रा में कचरा घाटों और आसपास के क्षेत्रों में जमा हो गया।

अनंत अंबानी के वनतारा ने असम की बाढ़ में फंसे हाथियों को सुरक्षित बाहर निकाला, CM हिमंता ने कहा थैंक्यू

देश के जाने-माने उद्योगपति अनंत अंबानी के वनतारा फाउंडेशन ने असम की बाढ़ में फंसे हाथियों को सुरक्षित बाहर निकाला है।

दिसपुर। असम इस वक्त बाढ़ की चपेट में है। लाखों परिवार बाढ़ से प्रभावित हैं। 64 लाख लोगों को घरबार छोड़कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। असम सरकार लोगों की हर संभव मदद कर रही है लेकिन बाढ़ में इंसानों के साथ-साथ जंगली जानवरों पर भी मुसीबत का पहाड़ टूटा है। इन बेजुबानों की सुध अनंत अंबानी के वनतारा फाउंडेशन ने ली है। वनतारा ने असम की बाढ़ में फंसे हाथियों को सुरक्षित बाहर निकाला है और उन्हें शेल्टर होम में पहुंचाया है। आज एलीफैंट डे है। ऐसे में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने असम के वाइल्ड एनीमल्स की मदद के लिए वनतारा को और अनंत अंबानी को थैंक्यू कहा। सीएम के थैंक्यू से ही ये पता लगा कि वनतारा ने खामोशी से बेजुबानों की कैसे मदद की। असम के जंगलों में 6 हजार से ज्यादा हाथी हैं। ज्यादातर जंगली इलाके बाढ़ की चपेट में हैं। हर तरफ पानी भरा है। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर जंगली हाथियों पर पड़ा है। वनतारा फाउंडेशन को इसकी जानकारी मिली तो हाथियों का रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू हुआ। स्पेशल रेस्क्यू टीम्स को ग्राउंड पर उतारा गया। बड़ी संख्या में एनिमल एंबुलेंस को असम भेजा गया। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के साथ मिलकर वनतारा फाउंडेशन ने बाढ़ में फंसे कई हाथियों को रेस्क्यू किया। इस दौरान दूसरे छोटे जानवरों को भी बाढ़ से निकाला गया। इसके बाद वनतारा फाउंडेशन ने इंजर्ड एनिमल्स के मेडिकल ट्रीटमेंट्स और उनके खाने पीने का इंतजाम किया। असम के चीफ मिनिस्टर हिमंता बिस्वा सरमा ने इस शानदार पहल के लिए वनतारा फाउंडेशन की जमकर तारीफ की, उन्हें थैंक्यू कहा। हिमंता ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि जब भी प्राकृतिक आपदाएं आती हैं, तब जानवरों को बचाने पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना दिया जाना चाहिए लेकिन वनतारा फाउंडेशन इस नेक काम के लिए आगे आया। हिमंता ने इस हेल्प के लिए असम की तरफ से अनंत अंबानी को शुक्रिया कहा। आज वर्ल्ड एलिफेंट डे के मौके पर वनतारा फाउंडेशन की खूब चर्चा हो रही है, जोकि हाथियों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा वेलफेयर सेंटर बन चुका है। इसकी शुरुआत गौरी नाम की एक हथिनी के रेस्क्यू से हुई थी। आज ये फाउंडेशन 260 से ज्यादा एशियन एलिफेंट्स की देखभाल करती है। अनंत अंबानी ने कई मौकों पर बताया कि हाथियों के लिए उनके दिल में खास जगह है। वनतारा फाउंडेशन देश और दुनिया में हाथियों के वेलफेयर के लिए बड़े स्केल पर काम कर रहा है। कई स्टेट गवर्नमेंट्स और ऑर्गनाइजेशंस के साथ कोलाबरेशन किया गया है। असम के अलावा अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और अंडमान-निकोबार में भी वनतारा ने लार्ज स्केल पर एलिफैंट वेलफेयर आउटरीच प्रोग्राम चलाया है। बाढ़ का उन पर भी इंपैक्ट पड़ा है। असम की बाढ़ में 10 लाख से ज्यादा डोमेस्टिक एनिमल्स और सैकड़ों वाइल्ड लाइफ एनिमल्स पर भी कहर बरपाया है।

स्पा में नौकरी का झांसा देकर मानव-तस्करी का खेल, दिल्ली पुलिस ने किया गिरोह का भंडाफोड़

दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को नौकरी का झांसा देकर मानव-तस्करी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह के सदस्य पीड़िताओं को स्पा सेंटरों में अच्छी तनख्वाह और बेहतर जीवनशैली का लालच देते थे। इसके बाद उन्हें दिल्ली से दूसरे राज्यों में ले जाकर स्पा संचालकों को सौंप दिया जाता था। पुलिस ने दिल्ली, गुजरात और उत्तर प्रदेश में कार्रवाई करते हुए 10 पीड़िताओं को मुक्त कराया है। पुलिस के मुताबिक, 9 मई को दक्षिण पुरी से 15 वर्षीय लड़की के लापता होने के बाद जांच शुरू हुई। उसकी मां की शिकायत पर आंबेडकर नगर थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि लड़की से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क किया गया था और उसे अच्छी तनख्वाह वाली नौकरी और बेहतर जीवनशैली का लालच दिया गया था। तकनीकी निगरानी और डिजिटल साक्ष्यों की जांच से पता चला कि लड़की को गुजरात के मुंद्रा ले जाया गया था। पुलिस टीम निजी वाहन से वहां पहुंची और स्थानीय पुलिस की मदद से कच्छ के मुंद्रा में एक होटल में चल रहे स्पा से लड़की को बरामद किया। इस दौरान स्पा मालिक दामनी सुशील हरेश उर्फ सुशील और रिसेप्शनिस्ट लक्ष्य को दो किशोरों के साथ पकड़ा गया। जांच आगे बढ़ने पर पुलिस उत्तर प्रदेश के बलिया पहुंची। वहां एक स्पा सेंटर से सात लड़कियों को बचाया गया।

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के CEO चुनने का इंटरव्यू पूरा, कुल 16 लोगों ने दिया साक्षात्कार, जानिए अब आगे का प्रॉसेस

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ चुनने के लिए इंटरव्यू पूरे हो गए। इंटरव्यू 11 और 12 अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर परिसर में हुए। सीईओ के सेलेक्शन में इस बात का खास ध्यान रखा जा रहा है कि उम्मीदवार के पास प्रशासनिक अनुभव तो हो ही साथ में उसे हिन्दू रीति रिवा की पूरी जानकारी हो। हिंदू धर्म में पूरी आस्था हो। उम्मीदवारों से ऑनलाइन इंटरेक्शन और इंटरव्यू में पूछा गया कि वो शाकाहारी हैं या मांसाहारी, शराब तो नहीं पीते हैं। जनेऊ पहनते हैं कि नहीं? हिन्दू रीति रिवाज के मुताबिक कपड़े पहन पाएंगे कि नहीं? साथ में पूछा गया कि भगवान राम में आस्था है कि नहीं। उम्मीदवारों से पूछा गया कि वो किसी सामाजिक या धार्मिक संगठन या मन्दिर से जुड़े हैं कि नहीं? कितने साल तक सामाजिक या धार्मिक संगठन या मन्दिर में काम किया? सीईओ के पद के लिए इंटरव्यू में पूछा गया कि कितने कर्मचारी आपकी लीडरशिप में काम कर चुके हैं। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के लिए विजन, प्लान और सुझाव क्या हैं। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सीईओ के लिए 5,585 लोगों ने अप्लाई किया था। इनमें से 3,877 ने गूगल फॉर्म भरा और अपनी सीवी दी। अप्लाई करने वाले 3,877 में से पहले 1580 लोगों को छांटा गया। इसके बाद करीब 111 को ऑनलाइन इंटरेक्शन के लिए बुलाया गया। 16 उम्मीदवारों को दो दिन चले इंटरव्यू में बुलाया गया। पचास से 70 साल के उम्मीदवारों में सेना के पूर्व अधिकारी, रिटायर्ड आईएएस और आईपीएस और पेशेवर शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415